हरिभूमि

शुभ दीपावली

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, सोमवार 20 अक्टूबर 2025

CENTUARY SLEEP SPECIALIST STORES: RAIPUR: BAJRANG COMFORT ZONE: 2582228 / 7024095859 | BALDEO FURNITECH PVT.LTD-7597333333| SIBBAL FURNITURE & HOTEL WOOD CASTLE: 8889991133 | **BHILAI:** BAJRANG ENTERPRISES: 9425551011; **COMFORT STORE: RAIPUR:** SHIV FOAM AND FURNISHING: 9171094000, CHHABRA FURNISHING: 9131136933| NIRANKARI FURNITURE HOUSE-9302858504, SANSKRITI DECOR: 0771-4266559 / 8889222259 | **BHILAI:** GUPTA FURNITURE: 8770581785, SHRI SAI SALES-7898071999; **DURG:** GUPTA FURNITURE MALL: 9755926326|SHRI AMIT ENTERPRISES-9329665775; **RAJNANDGAON:** NIRANKARI FURNI TURE: 9770099777; **DONGARGARH:** BINDAL ELECTRONICS: 9301233332; **SARAIPALI:** SHRI RAM FURNITURE & ELECTRONICS-9009333399; **AUTHORIZED DISTRIBUTOR:** BAJRANG ENTERPRISES:2582228 & 7024095859.

TRADE ENQUIRY - 8007578600

शुभ दीपावली

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ

समाचार ही नहीं, विचार भी

धर्म, परंपराएं और मर्यादाएं कभी धुंधली नहीं होतीं। सत्य का भाव सनातन हैं, युग बदल सकते हैं पर सत्य की चेतना नहीं बदलती। दीपावली आज भी राम की स्मृति और मानस की गूंज के बिना अधूरी मानी जाती है। दीपावली का उजाला मर्यादा पुरुषोत्तम राम की महिमा से होता है। श्रीराम की स्मृति से जगमगाता है, जिनकी कथा तुलसीदास ने रामचरितमानस में गढ़ी। डिजिटल युग ने भले किताबों को स्क्रीन में बदला हो, पर राम की महिमा और मानस का आकर्षण पहले से कहीं अधिक फैल रहा है। हर साल रामचरितमानस की लाखों प्रतियां छपती हैं, दीप जलाने से पहले मानस पाठ की परंपरा गांवों से लेकर महानगरों तक जीवित है, मानो राम की कथा आज भी दीपावली की लौ के साथ नया विस्तार पा रही हो। दीपावली का यह अंक रामचरित मानस की अमर यात्रा के नाम। रामचरित मानस की ऐसी कहानियां और परंपराएं जो जताती हैं कि वक्त बदल सकता है लेकिन वक्त सत्य के भाव को नहीं बदल सकता।

रामचरितमानस की अमर यात्रा

- अब तक प्रकाशित प्रतियां 4 करोड़ से ज्यादा, हर साल छपती हैं 12–15 लाख प्रतियां
- यूरोप, अमेरिका, खाड़ी देश, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और इंडोनेशिया समेत दर्जनभर देशों में आपूर्ति
- छपाई से पहले होती है: 15 मिनट की आरती, जूते पहनकर प्रवेश निषिद्ध
- मानस को जमीन पर नहीं रखते, रैक पर विराजते हैं

राम की महिमा...

हर साल 12 लाख से अधिक प्रतियों की मांग, अब तक 4 करोड़ प्रतियां छापीं

अमेरिका, कनाडा और यूके समेत कई देशों में रामचरित मानस की मांग

रामचरित मानस की इतनी मांग, गीता प्रेस छाप नहीं पा रहा, मशीनें पड़ रहीं कम

गोरखपुर से हरिभूमि के लिए सुभाष गुप्ता

"राम कथा कलि बिधि बिधिसमाना। सुनत श्रवण पाइअ अधिक बखाना॥"
तुलसीदास जी की यह पंक्तियां आज के समय को सटीक रूप से अभिव्यक्त करती है। कलयुग में रामकथा ही विधि (धर्म) के समान मानी गई है, इसलिए इसकी महिमा समय की धारा में क्षीण नहीं होती। जब दुनिया मोबाइल स्क्रीन में सिमट रही है, तब रामचरितमानस की अमर यात्रा अनवरत जारी है। यह केवल पुस्तक नहीं, लोक-आस्था की वाणी है। इसी कारण इसकी प्रतियों की छपाई, वितरण और साधना अब भी निरंतर बढ़ रही है। हाल यह है कि रामचरित मानस की मांग के आगे मशीनें भी थक जाती हैं।

गीता प्रेस, गोरखपुर के प्रबंधक लालमणि तिवारी हरिभूमि से कहते हैं, हमने अब तक चार करोड़ से ज्यादा प्रतियां रामचरितमानस की छापी हैं। हर वर्ष 12 से 15 लाख नई प्रतियां प्रकाशित होती हैं। कई बार ऐसा होता है कि मांग के आगे मशीनें थक जाती हैं। त्योहारों ▶▶| शेष पेज 4 पर

छपाई से पहले पूजा-पाठ सामूहिक आरती, नंगे पैर होता है कामकाज

15 भाषाओं में प्रकाशित होती है रामचरित मानस

श्री तिवारी बताते हैं कि रामचरितमानस को केवल हिंदी में ही नहीं, बल्कि कई अन्य भाषाओं में प्रकाशित किया जा रहा है। हिंदी, संस्कृत, बंगाली, मराठी, गुजराती, अंग्रेजी, उर्दू सहित लगभग 15 भाषाओं में उपलब्ध है। यह पहल न सिर्फ भाषा की बाधाओं को तोड़ती है बल्कि विभिन्न समुदायों तक श्रीराम के संदेश को ▶▶| शेष पेज 4 पर

शोध, साधना और साहित्य तीनों एक साथ

गीता प्रेस के कर्मचारी अपने दैनिक कार्य को भी एक तपस्या मानते हैं। यहाँ सुबह और शाम नियमित रूप से आरती होती है। प्रेस के अंदर जूते पहनकर प्रवेश करना निषिद्ध है। जो कर्मचारी ▶▶| शेष पेज 4 पर

जमीन पर नहीं रखते रामचरित मानस

श्री तिवारी का कहना है कि रामचरित मानस हमारे और हमारे साथी कर्मचारियों के लिए केवल किताब नहीं है। वह साक्षात श्रीराम का रूप है। छपाई के बाद रामचरित मानस को जमीन पर नहीं रखा जाता। रैक बनाए गए हैं, छपाई के बाद रामचरित मानस को रैक में रखा जाता है और उसके बाद जहां भेजा जाना है वहां भेज दिया जाता है। प्रयास रहता है कि छपाई से लेकर आपूर्ति तकरामचरित मानस की पवित्रता और सम्मान बना रहे।

यूरोप ही नहीं, मुस्लिम देशों से भी मांग

भारत के अलावा गीता प्रेस की रामचरितमानस की सबसे अधिक आपूर्ति विदेशों में होती है। खासतौर पर अमेरिका, कनाडा, यूके और अन्य यूरोपीय देशों में भारतीय समुदाय के बीच इसकी मांग बहुत अधिक है। इसके अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और अन्य मुस्लिम देशों में भी गीता प्रेस की रामचरितमानस की आपूर्ति की जाती है। इसका उद्देश्य सिर्फ धार्मिक ग्रंथ पहुंचाना ही नहीं, बल्कि श्रीराम के संदेश और भारतीय संस्कृति का प्रचार करना भी है।

दान करई कल्यान...

*प्रगट चारि पद धर्म के, कलि महुं एक प्रधान।
जेन केन बिधि दीन्हें, दान करई कल्यान...*

धर्म के चार चरण प्रसिद्ध हैं- सत्य, दया, तप और दान। जिनमें से कलि में एक दान रूपी चरण ही प्रधान है। जिसे किसी प्रकार से भी दिए जाने पर दान कल्याण ही करता है। जो हम देते हैं, वही हम पाते हैं। दान अर्थात देने का भाव,अर्पण करने की निष्काम भावना।

*सो धन धन्य प्रथम गति जाकि, धन्य पुन्य रत मति सोइ पाकी॥
धन्य घरी सोई जब सतसंगा, धन्य जन्म द्विज भगति अभंगा॥*

वह धन धन्य है जिसकी पहली गति होती है, जो दान देने में व्यय होता है। वही बुद्धि धन्य और परिपक्व है, जो पुण्य में लगी हुई है। वही घड़ी धन्य है, जब सत्संग हो और वही जन्म धन्य है, जिसमें ब्राह्मण की अखंड भक्ति हो।

'हरिभूमि' की तीन देशों इंडोनेशिया, मलेशिया व वियतनाम से स्पेशल रिपोर्ट

सभी समुदायों, सभी पंथों और सभी देशों में बहने वाले हमारे राम...राम जीवन हैं, राम ही संसार

हमारे राम... सबके राम

मधुरिमा राजपाल/भोपाल। राम एक शब्द नहीं, बल्कि एक अभिव्यक्ति है, एक शक्ति है, जो कण कण में मौजूद है। राम एक विचार है जो शुद्धता और समृद्धता के प्रतीक के रुप में केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अनेकों देशों में मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। ऐसे ही मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की सार्वभौमिकता को दर्शाता दीपावली का त्योहार जिसमें जहां एक ओर मां लक्ष्मी का पूजन होता हैं तो वहीं दीपावली पर्व श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या वापस आने के उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। दीपावली के पावन पर्व पर 'हरिभूमि' ने विदेशों में रहने वाले राम भक्तों से चर्चा में श्रीराम के प्रति उनकी आस्था और भावना को जाना। जिसमें इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम के रहने वालों ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की गाथा को न केवल अपनी भाषा, अपने शब्दों में पिरोकर बताया, बल्कि ये लोग श्रीराम और उनके जीवन से जुड़े अंशों से इतने अधिक प्रभावित हुए कि भगवान राम की गाथा को नृत्य, गीत-संगीत में पिरोकर रामलीला के एक अंश के रूप में विश्वभर में प्रस्तुत करते हैं।

इंडोनेशिया की प्रो.देवी यूलियांति

'सीता की खोज' नृत्य नाटिका को बहासा इंदोनेसिया में प्रस्तुत करती हैं

मैं कुछ वर्षों पहले भारत दौरे के समय इस्कॉन मंदिर, बांके बिहारी टैंपल और अयोध्या गई तो वहां मैंने लोगों में श्रीराम के प्रति अपार श्रद्धा, भक्ति देखी, जिसे देख लगा कि श्रीराम को जानना होगा और फिर मैंने रामायण और गीता का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा, और जाना श्रीराम का जीवन, जिसमें मुझे सबसे ज्यादा सीता माता के किरदार ने प्रभावित किया, जिन्होंने अपने पति मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के लिए महलों का ऐशोआराम त्याग दिया और वन-वन भटकीं, और फिर मैंने रामायण में श्रीराम के किरदार पर अपनी भाषा में 'सीता की खोज' की रचना की, और इसकी प्रस्तुति 2017 से देश-विदेश में देती आ रही हूं। यह कहना है इंडोनेशिया की रहने वाली प्रो.देवी यूलियांति का, जिन्होंने 'सीता की खोज' नाम से रामलीला के एक अंश पर नृत्य नाटिका तैयार की और इसे वो इंडोनेशिया की भाषा, बहासा इंदोनेसिया में प्रस्तुत करती हैं। प्रो.देवी यूलियांति इस नाटिका को अपने सात इंडोनेशियन साथियों के साथ प्रस्तुत करती हैं और अभी तक 20 देशों में इसकी प्रस्तुति दे चुकी हैं साथ ही अपने देश में सैकड़ों बार श्रीराम को आदर्श रुप में स्थापित करती इस प्रस्तुति को दिखा चुकी हैं।

रामायण का प्रमाण 'ककविन रामायण' नामक ग्रंथ में समाहित

उन्होंने बताया कि रामायण भारत से धर्म और संस्कृति के साथ इंडोनेशिया पहुंची, इसका प्रमाण 'ककविन रामायण' नामक ग्रंथ से मिलता है, जो प्राचीन जावा भाषा में मध्य जावा स्थित मेदांग साम्राज्य (732-1006 ई.) के समय लिखा गया। इसके अतिरिक्त बाली का रामकवच भी इसका साक्ष्य है। बाद के काल में, इस कथा को पर्यटन को ध्यान में रखकर 1961 में जीपीएच जति कुसुमो ने सेंद्रातारी रामायण (रामायण नृत्य-नाट्य) के रूप में प्रस्तुत किया।

मलेशियाई रामायण मलय रूपांतर 'हिकायत सेरी राम' के माध्यम से लोकप्रिय

मलेशियन भाषा मलय में रामलीला की प्रस्तुति, दुनियाभर में मंचन

मलेशिया में हम भगवान राम को केवल एक दिव्य पुरुष ही नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और करुणा के प्रतीक के रूप में देखते हैं। इसलिए, हम भगवान राम को मूल्य निष्ठ, सत्य, त्याग और नेतृत्व के साथ-साथ धर्म के रक्षक के प्रतीक के रूप में पूजते हैं। यह कहना है मलेशिया के रहने वाले कुनारत्नम वेलाउथम का। कुनारत्नम कहते हैं कि मैं 10 वर्षों से भी अधिक समय से रामलीला कर रहा हूं, श्रीराम के इसी रूप को आधार बनाकर मैंने सात लोगों का एक ग्रुप बनाया है और हमारा यह सात लोगों का ग्रुप मलेशियन भाषा मलय में रामलीला की प्रस्तुति देता आ रहा हैं। सिर्फ हमारे देश में ही नहीं बल्कि विश्व के अनेकों देशों में हम रामलीला के माध्यम से राम की सत्य की पराकाष्ठा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा प्रस्तुत रामलीला में कभी मैं तो कभी मेरे साथियों ने श्रीराम, लक्ष्मण और जटायु जैसी भूमिकाएं निभाकर उनके जीवन के भावों और गहराई को समझा, जाना और उसी को अपना जीवन आधार बनाया। उन्होंने बताया कि मलेशियाई रामायण के मलय रूपांतर, 'हिकायत सेरी राम' के माध्यम से भी राम कथा लोकप्रिय है, जिसमें हमने अपने सांस्कृतिक तत्वों को शामिल किया है। हमारे यहां तमिल हिंदू मंदिरों में भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की दैनिक पूजा, भजन, कीर्तन, नृत्य और रामनवमी व दिवाली जैसे वार्षिक आयोजनों में भगवान राम की गाथा बड़े ही धूमधाम से गाई ▶▶| शेष पेज 4 पर

मलेशिया के कुनारत्नम वेलाउथम

श्रीराम का कभी राजनीतिकरण नहीं हो सकता

उन्होंने कहा कि कई बार हमारे देश में सांप्रदायिक रूप से गलतफहमियां पैदा करने की कोशिश की जाती है, लेकिन मर्यादा पुरषोत्तम श्रीराम का कभी राजनीतिकरण नहीं हो सकता। राम सत्य है, अटल है और शाश्वत हैं, जिनके जीवन को आधार बनाकर कई लोगों की नैया पार हुई है और मेरी व मेरे साथियों की भी क्योंकि, हम श्रीराम पर आधारित नृत्य नाटिका ही प्रस्तुत नहीं करते, बल्कि उससे अपने जीवन को जीने की सीख भी लेते हैं। हमारे लिए श्रीराम की गाथा को हमारी ही भाषा में प्रस्तुतिकरण करने का आशय राम के प्रति हमारी श्रद्धा को दर्शाना है। इस प्रकार मैं कह सकता हूं कि मलेशिया में हम लोगों के लिए भगवान राम सिर्फ एक देवता नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक पथ प्रकाशक हैं।

वियतनाम के सन काओ थांग

रामायण का खमेर संस्करण 'रीम केर' में हम मुखौटे से समझाते हैं श्रीराम कथा

भारत से आया रामायण का खमेर संस्करण 'रीम केर' में श्रीराम की कथा को आधार बनाकर उस पर मुखौटा नृत्य प्रस्तुत किया जाता है। मुखौटा नृत्य करने का उद्देश्य श्रीराम की गाथा को केवल हमारी वियतनामी भाषा में ही प्रस्तुत करना नहीं बल्कि राम को आधार बनाकर उन्हें अपनी भाव-भंगिमाओं और नृत्य के अविरल प्रवाह के रूप में कथा रूप में प्रस्तुत करना है। मैं और मेरी टीम इस कथा को आधार बनाकर रीम केर की प्रस्तुति करीब 10 सालों से अधिक समय से देती आ रही हैं और साल दर साल राम के प्रति हमारी आस्था गहरी होती जा रही है। यह कहना है वियतनाम के कलाकार सन काओ थांग का। थाच होआंग ताई, सन किम हा, सन मिन्ह वु ▶▶| शेष पेज 4 पर

राम कथा को एक भाषा-एक देश में नहीं बांधा जा सकता है

उन्होंने बताया कि रोबाम एक प्राचीन पारंपरिक मुखौटा-नृत्य-नाटक है, जो न केवल एक अनूठी प्रदर्शन कला है, बल्कि गहरा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व रखने वाली अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर भी है, जिसमें हम राम कथा को प्रदर्शित करते हैं। क्योंकि, श्रीराम केवल ▶▶| शेष पेज 4 पर

धर्म और परंपरा से जुड़ी इन चौपाइयों को पढ़ने से बढ़ रहा मनोबल

दैहिक, दैविक भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि ब्यापा
सब नर करहिं परस्पर प्रीती, चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती...

राम-राज यानी आदर्श शासन। त्रेता युग में श्रीराम का शासन इसकी मिसाल रहा। प्रेम, करुणा, सद्भाव के साथ न्याय का राज चला। युग बदले और राजकाज का तौर तरीका भी बदलते गया। कालखंड के चौथे भाग कलयुग में राम राज की कल्पना मुश्किल लगती है, लेकिन देश में ऐसे दर्जनों गांव हैं, जहां आज भी राम-राज जैसे हालात हैं। छग में एक गांव तो ऐसा है, जहां 100 बरस से कोई अपराध नहीं हुआ, यह महज बानगी है। मदिरा सेवन से परहेज, रोजाना रामधुन, अपराध से विमुख ऐसे गांवों को हरिभूमि ने इस बार टटोला। ग्रामीणों से बात की और सिस्टम को समझा।

आंखों में अंधेरा, मन में उजाला, दृष्टिहीन की जुबां पर रामचरित मानस के दोहे

जिस बालक ने दुनिया को कभी देखा नहीं, वह अपनी उंगलियों से श्री राम की महिमा को महसूस करता है और रामचरितमानस के दोहे गाता है। आंखें भले बेनूर हों, पर सुरों में ऐसा नूर है कि सुनने वाले ठिठककर श्रद्धा से भीग उठते हैं। डिजिटल युग की चमक-दमक के बीच ऐसे स्वर याद दिलाते हैं कि राम की गाथा आंखों से नहीं, आस्था की रोशनी से देखी और गाई जाती है।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

नेत्रहीन और दृष्टिबाधित उंगलियों के सहारे रामायण के दोहे और चौपाई को अपने अंदाज में गा रहे हैं और अपनी आस्था भी प्रकट कर रहे हैं। खास बात यह कि पहली से बारहवीं तक के बच्चों के लिए ब्रेल प्रेस में पाठ्य पुस्तकों की छपाई भी की गई है। देखा जाए तो वर्तमान दौर में रामचरित मानस या रामायण को नियमित तौर पर पढ़ना सहज नहीं माना जाता। जिंदगी की इस भागदौड़ में भी नेत्रहीन बालक डुमेश्वर पुरी और किशोर केंवट रामचरित मानस की चौपाइंयों का रोजाना पाठ ब्रेल लिपि में करते हैं। इन छात्रों के मुताबिक धर्म और परंपरा से जुड़ी इन चौपाइंयों को पढ़ने से मनोबल मिलता है जो रोजाना की दिनचर्या में काम आता है। डुमेश्वर पुरी तो रामायण मंडलियों में गाते भी हैं। इनका गौरेला पेण्ड्रा मरवाही से लेकर बिलासपुर तक में एक ग्रुप भी है।

किताबों के साथ सुर और साज की भी शिक्षा ली

डुमेश्वर बताते हैं कि उनके पिता धनीराम धुरी भी किसान हैं और काफी धार्मिक प्रवृत्ति के हैं। उन्हें देखकर उनका भी मन रामायण पाठ में लग गया और मंडलियों में गाने लगे। स्कूल में भी ब्रेल लिपि के सहारे रामचरित मानस और रामायण कि किताबों को पढते हैं। पढ़ाई के साथ संगीत में भी रुचि थी। यही वजह थी कि उन्होंने किताबों के साथ सुर और साज की भी शिक्षा ली। डुमेश्वर पुरी के मुताबिक यू ट्यूब और आडियो के सहारे भी रामचरित मानस की चौपाइंयों का पाठ करते हैं। डुमेश्वर पुरी प्रशासनिक सेवा में जाना चाहते हैं इसके लिए उन्होंने अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

रामायण और श्रीमद्भगवत गीता ब्रेल लिपि में लिपिबद्ध

नेत्रहीनों और दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि वरदान साबित हो रही है। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित तिफरा स्थित ब्रेल प्रेस में विशेषज्ञों के जरिए रामायण और श्रीमद्भगवत गीता को ब्रेल लिपि में लिपिबद्ध किया गया है। इसके अलावा हनुमान चालीसा सहित धार्मिक ग्रंथों को भी इस तकनीक से प्रिंट किया गया है। खास बात यह कि पहली से बारहवीं तक के बच्चों के लिए ब्रेल प्रेस में पाठ्य पुस्तकों की छपाई भी की गई है। शिक्षक संजय खुराना के मुताबिक इस स्कूल में पंचतत्र की कहानियां, जातक कहानियां, सचमुच जल ही जीवन है, हितोपदेश जैसे शिक्षापरक कहानी की किताबों का प्रकाशन किया जा रहा है। इसके अलावा व्याकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किताबों का प्रकाशन हो रहा है। हनुमान चालीसा, चालीसा संग्रह, आरती संग्रह, रामचरितमानस (रामायण), सुंदरकांड, भागवत गीता, प्रेम सागर (श्री कृष्ण प्रेमलीला), रामरक्षा स्त्रोतम, विष्णु सहस्त्र नाम, दुर्गा सप्तशती।

दिल की आंखें, श्रद्धा का भाव

बेनूर आखें होने के बावजूद इन छात्रों की जिंदगी में रामायण के सुरों का नूर बिखरा हुआ है। तिफरा श्रवण बाधित स्कूल के इन छात्रों के लिए स्कूल में ही ब्रेल लिपि के किताबें और साहित्य मौजूद हैं। जहां वे इसका नियमित पाठ करते हैं। छुट्टियों में इन किताबों को वे घर ले जाते हैं और वहां भी दोहा चौपाइयों गाईं जाती हैं। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले के लालपुर गांव के रहने वाले डुमेश्वर पुरी को तीन साल की उम्र में एक बीमारी के कारण आंखो से दिखना पूरी तरह बंद हो गया। परिजन ने तिफरा श्रवण बाधित स्कूल में इनका एडमिशन कराया। 12 वीं तक की पढ़ाई इन्होंने यहीं से पूरी की और अब बिलासपुर के जेपी वर्मा कालेज में बीए प्रथम वर्ष में हैं।

आज़ादी से पहले शुरू हुई परंपरा अनुशासन के साथ अब तक जारी

82 साल से गूंज रहा मानस पाठ तीसरी पीढ़ी ने संभाला दायित्व

शहर में धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता की अद्वितीय मिसाल पेश करती एक परंपरा 82 वर्ष से लगातार जीवित है। गांधी चौक स्थित श्री रामायण प्रचारक समिति भवन में हर शाम रामचरितमानस का पाठ उसी श्रद्धा और अनुशासन के साथ होता है, जैसा इसे पहली पीढ़ी ने आज़ादी से पहले शुरू किया था। खास बात यह है कि अब इस विरासत को तीसरी पीढ़ी के लोग आगे बढ़ा रहे हैं और बच्चे भी उत्साहपूर्वक इस परंपरा में शामिल हो रहे हैं।

संतोष दुबे ▶▶| राजनांदगांव

ब्राह्मणपारा से गांधी चौक तक की यात्रा करीब आठ दशक पहले ब्राह्मणपारा के कुछ बुजुर्गों ने 'सबके कल्याण' और 'सामाजिक जागरूकता' के उद्देश्य से सामूहिक मानस पाठ की शुरुआत की थी। कच्चे मकान में आरंभ हुई यह परंपरा अब गांधी चौक स्थित समिति के पक्के भवन में नियमित रूप से संचालित हो रही है। उस दौर में हर वर्ग और जाति के लोग इस अनुष्ठान का हिस्सा बनते थे, और वही समावेशी भाव आज भी कायम है। रोज शाम गूंजते हैं चौपाई और दोहे शाम ढलते ही भवन में भक्तिमय माहौल निर्मित हो जाता है। दर्जनों लोग एकत्र होकर सामूहिक रूप से मानस पाठ करते हैं। आसपास का इलाका भगवान श्रीराम के नाम और भक्ति रस से सराबोर हो उठता है। समिति के सदस्यों का कहना है कि इस पाठ ने न सिर्फ आध्यात्मिक ऊर्जा दी है, बल्कि सामाजिक समरसता का भाव भी मजबूत किया है। बच्चों की बढ़ रही भागीदारी तीसरी पीढ़ी ने इस परंपरा को नए जोश के साथ संभाला है। बुजुर्गों के बाद अब युवा और बच्चे भी प्रतिदिन समय निकालकर पाठ में शामिल हो रहे हैं। अभिभावक इसे सांस्कृतिक शिक्षा की तरह नई पीढ़ी तक पहुंचा रहे हैं।

ग्राम कोलियारी (जिला धमतरी) के कमल नारायण साहू पिछले 30 वर्षों से श्रीरामचरितमानस की टीका और व्याख्या कर लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान दे रहे हैं। मंचों, सत्संगों और धार्मिक आयोजनों में वे दोहा-चौपाइयों की ऐसी भावपूर्ण व्याख्या करते हैं कि हर आयु वर्ग का श्रोता प्रभु श्रीराम के आदर्शों से सहज जुड़ जाता है। खास बात यह है कि रामचरितमानस उन्हें कंठस्थ है और वे किसी भी प्रसंग की व्याख्या बिना ग्रंथ देखे कर देते हैं।

तीन दशक से रामचरित मानस के कंठस्थ व्याख्याकार हैं कमल साहू

यशवंत साहू ▶▶| धमतरी

बचपन से लगा अध्यात्म का संस्कार कमल नारायण साहू बताते हैं कि बचपन में स्कूल से लौटने के बाद वे आसपास के गांवों में होने वाले भागवत, रामायण और धार्मिक कार्यक्रमों में श्रोता के रूप में शामिल होते थे। माता-पिता भी धार्मिक प्रवृत्ति के थे, जिसका असर उनके स्वभाव और रुचि पर पड़ा। प्रातःकालीन प्रार्थनाओं में उनकी नियमित उपस्थिति रहती थी। बुजुर्गों ने बढ़ाया हौसला बारहवीं कक्षा के बाद गांव के बुजुर्गों के प्रोत्साहन से उन्होंने रामचरितमानस की टीका शुरू की। शुरुआती दौर में भाषा और प्रस्तुति को लेकर झिझक जरूर थी, लेकिन वरिष्ठों के मार्गदर्शन और सतत अभ्यास ने उन्हें निपुण बना दिया। अयोध्या से आए संत श्रीराम वैष्णव साहेब की प्रवचन शैली ने उन्हें गहराई से प्रेरित किया और तभी उन्होंने यह संकल्प लिया कि वे भी इसी तरह रामकथा को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

हनुमान जी सबसे बड़े प्रेरणास्त्रोत कमल साहू के अनुसार, रामायण का सबसे प्रेरक पात्र हनुमान जी हैं, जिनसे सेवा, शक्ति, विनम्रता और समर्पण जैसे गुण सीखने मिलते हैं। भरत और लक्ष्मण के जीवन आदर्श भी उन्हें प्रभावित करते हैं। उनकी प्रिय चौपाई है -"प्रवेस नगर कीजै सब काजा। हृदयँ रखि कौशलपुर राजा॥" जिसे वे नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक मानते हैं।

कवर्धा के बूढ़ा महादेव मंदिर में 1994 से लगातार हो रहा राम नाम का जाप
200 वर्ष प्राचीन है यह मंदिर, राजा उजियार सिंह ने करवाया था निर्माण

महादेव को प्रिय हैं राम... इसलिए यहां 24 घंटे 'सिया संग राम' नाम जाप

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

एक पौराणिक कथा है। एक बार माता पार्वती ने शिव से पूछा था कि वे किसका ध्यान करते हैं? तब शिव ने कहा था- राम का। देवों के देव महादेव को भी राम प्रिय हैं, यही वजह है कि कवर्धा के बूढ़ा महादेव मंदिर में 24 घंटे राम नाम का जाप होता रहता है। इसमें भी खास बात यह है कि यहां राम नाम का जाप सीता के साथ होता है। आठों पहर यहां लोग राम धुन लगाए रहते हैं। कवर्धा के संकरी नदी किनारे स्थित यह शिव मंदिर पंचमुखी है। यहां पांच शिवलिंग है। पांचों शिवलिंग पंचमुखी हैं। यदि पांचों शिवलिंग के मुखों को जोड़ा जाए तो 25 मुख के साथ भोलेनाथ अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। भक्त और प्राचीन मंदिर होने के कारण यहां भजन संध्या का आयोजन नियमित रूप से होता ही था। अधिकतर मंडलियां राम भजन का ही गायन करती थी। वर्ष 1994 की बात है। भक्तों को ख्याल आया कि राम नाम का जाप यहां निरंतर होना चाहिए। इस राम संकीर्तण के प्रणेता तत्कालीन पंडित अर्जुन सिंह हैं। इसके बाद भक्तों ने ही पहल की और तय हुआ कि यहां 24 घंटे सीता संग राम नाम का जाप होगा। मंदिर के गर्भगृह से कुछ दूरी पर एक विशेष स्थान आरक्षित किया गया है, जहां लोग राम नाम का जाप करते हैं। सर्दी, बरसात या गर्मी किसी भी मौसम में मंत्र जाप यहां नहीं रुकता है। यहां तक कोरोना काल में भी यहां जाप होता रहा।

जाप करने होती है बुकिंग, बाहर से आते हैं लोग

मंदिर प्रबंधन के सदस्य और समय-समय पर यहां राम धुनि लगाने वाले पं.पंकज शर्मा बताते हैं, प्रातः और संध्याकाल में राम नाम जाप करने वालों की संख्या अधिक होती है, जबकि दोपहर और मध्यरात्रि पश्चात यह संख्या अपेक्षाकृत कम होती है। कब, कौन जाप करेगा, इसके लिए लोग पहले से अपना नाम लिखवाते हैं। इस तरह से आठों पहर जाप की परंपरा चलते रहती है। किसी भक्त ने पहले से अपना नाम दर्ज नहीं करवाया है तो वह भी जाप कर रहे लोगों के साथ शामिल हो सकता है। बाहर से आने वाले भक्त भी यहां जाप करते हैं।

ऐसा है इतिहास

कहा जाता है कि यह स्वयंभू शिवलिंग है। 200 साल पहले कवर्धा रियासत के राजा उजियार सिंह महादेव के भक्त थे। उन्हें संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी। उन्हें एक पंडित ने सलाह दी कि स्वयंभू शिवलिंग के पीछे अपना महल बनवाएं। इसके बाद उन्होंने स्वयंभू शिवलिंग के पीछे रिक्त भूमि पर मंदिर निर्माण करवाया और उन्हें संतान प्राप्ति हुई। इसके पश्चात पे पंचमुखी बूढ़ा महादेव की आराधना करने लगे। उन्होंने स्वयंभू शिवलिंग के स्थान पर भव्य मंदिर बनवाया गया। मंदिर बनने के बाद ये शिवलिंग बूढ़ा महादेव नाम से विख्यात हुए। राज के शासनकाल में निर्मित यह मंदिर 200 वर्ष पुराना है। स्वयंभू शिवलिंग इससे भी अधिक प्राचीन है।

चकाचौंध रोशनी से सराबोर दीपावली के इस पावन पर्व पर मनेंद्रगढ़ के आमाखेरवा इलाके में एक ऐसा 'रामलोक' जगमगाता आ रहा है, जिसकी रोशनी केवल आंखों से नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति की गहराई से महसूस की जा सकती है। यह है नेत्रहीन आवासीय विद्यालय, जहां के 70 नेत्रहीन बच्चे पिछले डेढ़ दशक से हर शनिवार को सुंदरकांड, रामचरित मानस और रामायण का पाठ अपनी मन की आंखों से करते आ रहे हैं।

'कोरे कागज' पर उंगलियां फेर सुर-लय से करते हैं सुंदरकांड

मनेंद्रगढ़ का 'रामलोक' दृष्टिहीन बच्चों की उंगलियों से झरती रामभक्ति

रविकांत सिंह राजपूत ▶▶| मनेंद्रगढ़

इस दीपावली, जब हर तरफ प्रभु राम की अयोध्या वापसी का उत्सव है, इन बच्चों की राम-आराधना और भी मुखर हो उठी है। ब्रेल लिपि की मदद से, कोरे कागज की तरह दिखने वाली रामायण को ये बच्चे अपनी उंगलियों के सहारे पढ़कर, झांझ, मजीरा और हारमोनियम की मधुर धुन के साथ ऐसे लयबद्ध होकर गाते हैं, मानो उन्हें पूरा पाठ कंठस्थ याद हो। इन बच्चों के रग-रग में राम बसे हैं और इनकी भक्ति हर किसी को धर्म के मर्म से परिचित कराती है।

आमाखेरवा का यह नेत्रहीन आवासीय विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि रामभक्ति की एक पाठशाला है। यहां के बच्चों के लिए रामचरित मानस पढ़ने का तरीका सामान्य लोगों से बिल्कुल अलग और प्रेरणादायक है। ये बच्चे ब्रेल लिपि में छपी रामायण और सुंदरकांड को अपनी संवेदनशील उंगलियों से छूकर, शब्दों को महसूस करते हैं। उनकी उंगलियों की जुगलबंदी, शब्दों को पकड़कर सीधे उनके मस्तिष्क और हृदय तक पहुंचाती है। इसके बाद, झांझ, मजीरा, तबला और हारमोनियम की संगत पर जब ये बच्चे सुर और लय के साथ सामूहिक पाठ शुरू करते हैं, तो वातावरण पूरी तरह राममय हो जाता है।

डेढ़ दशक से चली आ रही परंपरा

विद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह अनूठी परंपरा बीते डेढ़ दशक से अनवरत चली आ रही है। प्रत्येक माह के हर शनिवार को विद्यालय के सभी 70 बच्चे एक साथ बैठकर इस महाकाव्य का पाठ करते हैं। इनकी भक्ति का भाव इतना प्रबल होता है कि सुनने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। इन बच्चों की रामभक्ति इस बात का प्रमाण है कि ईश्वर की आराधना के लिए दृष्टि नहीं, शुद्ध हृदय और अंतरात्मा की आवश्यकता होती है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण और दीपावली पर्व के कारण इन दिनों विद्यालय में उत्साह का माहौल दोगुना है। रामचरित मानस के पाठ के समय बच्चों के मुखमंडल पर एक अलौकिक तेज दिखाई देता है। वे जिस सहजता और तन्मयता से पाठ करते हैं, वह बताता है कि राम केवल उनके पाठ में नहीं, बल्कि उनके जीवन में भी गहराई से समाए हुए हैं। नेत्रहीन होने के बावजूद ये बच्चे अपनी अंतर्दृष्टि से राम कथा का पूरा भाव समझते और व्यक्त करते हैं।

अखंड भारत
सरल हृदय
सबके सुख-दुख के साथी
मा. नरेन्द्र मोदी
मा. विष्णुदेव साय
माननीय
श्री रूपनारायण सिन्हा जी
अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग
को छत्तीसगढ़ शासन में
केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त
होने पर
हार्दिक बधाई
श्री रूपनारायण सिन्हा जी
माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ योग आयोग
केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त
विनीत - समस्त योग साधकगण (छ.ग.)

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

श्रीराम की नगरी अयोध्या में दिवाली उत्सव

अयोध्या सजी, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

राम की पैड़ी पर लेजर लाइट शो 1100 ड्रोन से विशेष शो

- अयोध्या में जलाए गए 26 लाख 17 हजार 215 दीपक
- ड्रोन से काउंटिंग हुई, राम की पैड़ी पर लेजर लाइट शो
- सीएम योगी ने राम कथा पार्क में हेलिकॉप्टर से उतरे श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण का किया स्वागत

अयोध्या में 26 लाख दीयों का वर्ल्ड रिकॉर्ड

22 झांकियां और शोभायात्रा निकाली गई

1100 ड्रोन से राम की पैड़ी पर विशेष शो

9वें दीपोत्सव पर 2 विश्व रिकॉर्ड बने

एजेंसी ▸▸| अयोध्या

दीपोत्सव पर प्रभु राजा राम अयोध्या पहुंचे और उनके आगमन पर पूरी अयोध्या रोशनी से नहा उठी। दीपोत्सव पर अयोध्या के नाम दो विश्व कीर्तिमान दर्ज हुए। अयोध्या दीपोत्सव में इस बार दो विश्व कीर्तिमान स्थापित हुए। पहला 26,17,215 दीये जलाने का और दूसरा 2128 अर्चकों द्वारा एकसाथ मां सरयू की महाआरती का। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम इस कीर्तिमान को दर्ज करने के लिए खुद अयोध्या में मौजूद रही। ▸▸|शेष पेज 4 पर

जहां कभी गोलियां चलीं वहां दीये जल रहे : योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के मौके पर कहा कि जहां कभी गोलियां चली थीं, वहां अब दीये जल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये दीये 500 वर्षों के अंधकार पर विजय का प्रतीक हैं। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में संतों और महंतों का अभिवादन किया। वे सरयू नदी के तट पर राम की पैड़ी पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव में शामिल होने पहुंचे हैं।

दो रिकॉर्ड

पहला- 26 लाख 17 हजार 215 दीपक एक साथ जलाए गए

दूसरा- सरयू तट पर 2128 अर्चक सरयू की महाआरती की गई

23 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस वर्ष केवल जनवरी से जून के बीच यहां 23 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा वर्ष 2017 से शुरू किए गए दीपोत्सव ने देश-विदेश में अयोध्या का आकर्षण बढ़ा दिया है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से जून तक अयोध्या में कुल 23,82,14,737 श्रद्धालु पहुंचे, जिनमें 23,81,64,744 भारतीय और 49,993 विदेशी श्रद्धालु शामिल हैं।

वर्ष 1954 पश्चात इस साल हंस राजयोग संग रहेगा बुधादित्य और सर्वार्थ सिद्धि का संयोग

शाम 6 बजकर 48 मिनट से होगा शिववास का मंगलकारी योग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

दीवाली के अवसर पर इस बार हंस राजयोग, बुधादित्य राजयोग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बना हुआ है। करीब 71 साल बाद दिवाली के अवसर पर यह ▸▸|शेष पेज 4 पर

पूजन मुहूर्त

- लक्ष्मी पूजा मुहूर्त (प्रदोष काल) - संध्या 7:08 से 8:18 बजे तक
- लक्ष्मी पूजा मुहूर्त (निशिता काल) - रात्रि 11:41 से मध्यरात्रि पश्चात 12:31 तक
- राहुकाल - सुबह 07:50 से 09:15 बजे तक रहेगा। इस मुहूर्त में कोई भी शुभ काम करने से परहेज किया जाता है।

भद्रवास सहित शिववास

दीपावली पर भद्रवास योग सुबह 8 बजकर 44 मिनट तक है। इस समय तक भद्रा स्वर्ग लोक में रहेंगी। शास्त्रों में निहित है कि भद्रा के पाताल और स्वर्ग लोक में रहने के दौरान पृथ्वी पर उपस्थित जनों का कल्याण होता है। इसके साथ ही शिववास योग का मंगलकारी संयोग भी बन रहा है। इस योग का निर्माण शाम 6 बजकर 48 मिनट से हो रहा है। इस योग में शिव-शक्ति की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

लमगांव हनुमान मंदिर में 23 वर्षों से अनवरत अखंड रामायण पाठ

रामायण पाठ के लिए पांच लोगों की नियुक्ति पहुंचते हैं दूर-दूर से श्रद्धालु

अजय नारायण पांडे ▸▸| अंबिकापुर

ग्राम पंचायत लमगांव स्थित हनुमान मंदिर में सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया की भावना से ढाई दशक पूर्व प्रारंभ अखंड रामायण का पाठ आज भी अनवरत जारी है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और उनके सेवक हनुमान के प्रति श्रद्धालुओं की ऐसी निष्ठा कि बीच बीच में अनेक बाधाएं आई लेकिन कभी भी रामायण का पाठ प्रभावित नहीं हुआ। वर्ष 1975 में संत त्रिवेणी दास सरगुजा भ्रमण पर पहुंचे थे। मस्ती में भ्रमण करते वे ग्राम पंचायत लमगांव पहुंचे गए। इस दौरान एक पेड़ के नीचे पत्थर धरती के नीचे से निकला, पत्थर की आकृति देख वहीं अपना आसन जमा लिए तथा प्राकृतिक रूप से ▸▸|शेष पेज 4 पर

अनवरत जल रहा अखंड दीप

मंदिर में अखंड रामायण पाठ के साथ ही 29 अप्रैल 2002 के दिन अखंड दीप की स्थापना की गई थी। जो आज भी प्रज्ज्वलित हो रहा है। अखंड दीप के लिए घी एवं बत्ती की व्यवस्था प्रारंभ से ही श्रद्धालु कर रहे हैं। मंदिर समिति प्रकल्पों के सुचारू संचालन पर नजर रखती है जबकि सारी व्यवस्था श्रद्धालु स्व प्रेरणा से करते हैं। मंदिर में हर सप्ताह भंडारे का भी आयोजन किया जाता है।

दीपोत्सव की शुभकामनाएं

दीपोत्सव के पावन पर्व पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 20 और 21 अक्टूबर को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 23 अक्टूबर गुरुवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

-प्रधान संपादक

तीन करोड़ के कफ सिरप बरामद, तीन गिरफ्तार

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में रॉबर्ट्सगंज थाना पुलिस, विशेष अभियान समूह और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने लगभग तीन करोड़ रुपए मूल्य की खांसी की प्रतिबंधित दवा बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अमेरिका में 'नो किंग्स' प्रोटेस्ट इतिहास में सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन

ट्रंप के खिलाफ हल्ला बोल, 2700 स्थानों पर जुटे 70 लाख से अधिक प्रदर्शनकारी

अमेरिका की सड़कों पर राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लाखों लोग सड़क पर उतर चुके हैं। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी की जनता सड़क पर मार्च कर रही है। इस दौरान अमेरिका के 2700 स्थानों पर 70 लाख से ज्यादा लोग ट्रंप की नीतियों, खासकर उनके ट्रांसजेंडर विरोधी बयान और अन्य विवादास्पद फैसलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

एजेंसी ▸▸| वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है। इस विशाल विरोध प्रदर्शन में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और नागरिक समूहों ने भाग लिया, जिसमें महिलाओं के अधिकारों के लिए कार्य करने वाले संगठनों से लेकर पर्यावरण कार्यकर्ता और ट्रंप प्रशासन की नीतियों के विरोधी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के शासनकाल की आलोचना करते हुए 'अब और नहीं' और 'हमें बदलाव चाहिए' जैसे नारे लगाए। इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ बढ़ते असंतोष और उनके द्वारा उठाए गए निर्णयों के विरोध में किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन ट्रंप की विभिन्न नीतियों के खिलाफ है। इसमें विशेष रूप से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों के खिलाफ उठाए गए उनके कदमों और उनके कार्यकाल के दौरान किए गए अन्य विवादास्पद कार्यों ने ▸▸|शेष पेज 4 पर

- ट्रंप प्रशासन के तानाशाही रवैए के खिलाफ आवाज बुलंद

'नो किंग्स' प्रोटेस्ट क्या है?: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अमेरिका में विरोध की आग सुलग रही है। अमेरिका और दुनियाभर में 'नो किंग्स' के बैनर तले लाखों लोग सड़कों पर उतर गए है। 'नो किंग्स प्रोटेस्ट' ट्रंप प्रशासन की शिक्षा, प्रवासन और सुरक्षा नीतियों में बढ़ रही तानाशाही के खिलाफ चल रहा है। 200 से ज्यादा संगठन इस आंदोलन में कूद चुके हैं। छोटे कस्बों से लेकर बड़े-बड़े शहरों तक ट्रंप प्रशासन के तानाशाही रवैये के खिलाफ आवाज बुलंद हो रही है।

सड़कों पर आने की अपील

नो किंग्स नाम का गठबंधन ने बीते जून माह में बड़ा प्रदर्शन किया था। इस गठबंधन ने एक बार फिर लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील की है ताकि यह संदेश दिया जा सके कि डोनाल्ड ट्रंप कोई राजा नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन में लगातार बढ़ रहे अधिनायकवाद के खिलाफ यह प्रोटेस्ट है। अमेरिका के कई शहरों में इस आंदोलन के मद्देनजर सेना की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। वहीं, ट्रंप प्रशासन की ओर से इस आंदोलन को कुचलने के लिए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

कहां-कहां हो रहा 'नो किंग्स' प्रोटेस्ट?

पूरे अमेरिका में 2,500 से अधिक प्रोटेस्ट की योजना तैयार की गई है, जिनमें बड़े शहरों के साथ ही छोटे कस्बे भी शामिल हैं। यह प्रोटेस्ट अमेरिका के सभी 50 राज्यों में होंगे। अलग-अलग जगहों पर अलग समय पर प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे। प्रोटेस्ट में 200 से ज्यादा संगठन में जुड़े हुए हैं। इस डे ऑफ एक्शन के लिए आयोजकों ने कई प्रमुख शहरों को 'एंकर सिटीज' के रूप में चिन्हित किया है, जिनमें शामिल वॉशिंगटन डीसी, सैन फ्रांसिस्को, अटलांटा, सैन डिएगो, होनोलूलू, कैनसस सिटी (मिसौरी), शिकागो, न्यूयॉर्क सिटी, बोस्टन, ह्यूस्टन (टेक्सास), न्यू ऑरलियन्स और बोजमैन (मोंटाना) शामिल हैं।

धमाके की आवाज

विशाल चट्टान से टकराई मालगाड़ी, इंजन के पटरी से उतरने पर रेल यातायात ठप

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

अनंतगिरि घाट किरंदुल-कोत्तवालसा रेललाइन रविवार तड़के 4 बजे भोर की खामोशी को चीरती एक जोरदार धमाके की आवाज़ आई। किरंदुल-कोत्तवालसा रेल लाइन के दुर्गम पहाड़ी सेक्शन में एक मालगाड़ी चलती ट्रेन अचानक विशाल चट्टान से टकरा गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि इंजन बेपटरी हो गईं,जिससे रेललाइन पर घंटों तक अफरा-तफरी मच गई। लोकोपायलट ने अचानक पटरियों पर गिरी एक विशाल चट्टान देखी। ब्रेक लगाने का मौका तक नहीं मिला और इंजन सीधा चट्टान से जा भिड़ा। टक्कर से रेल ▸▸|शेष पेज 4 पर

आवागमन बाधित

रेल प्रशासन ने ट्रैक बहाली के लिए आपात दल और इंजीनियरिंग टीम को मौके पर भेजा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस घाट सेक्शन में पहले भी कई बार चट्टानें गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इस बार हादसा बड़े पैमाने पर हुआ।

पैसेंजर ट्रेन 30 तक रहेगी रद्द

विशाखापत्तनम से किरन्दुल आने-जाने वाली पैसेंजर ट्रेन को 20 अक्टूबर को रद्द कर दिया गया। इस बात की पुष्टि विशाखापत्तनम रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य मंडल प्रबंधक ने की। इस बीच इस घटना के कारण विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर (58501/58502) को 19 अक्टूबर को दोनों दिशाओं से रद्द करना पड़ा। ट्रेन संख्या 58502 किरंदुल-विशाखापत्तनम पैसेंजर,जो 20 अक्टूबर को किरंदुल से रद्द कर दी गई है।

चिंतन

कलयुग में भी प्रासंगिक है भगवान श्रीराम के आदर्श

भारतीय संस्कृति में दिवाली केवल दीपों और उत्सव का पर्व नहीं बल्कि सृष्टि के उस सनातन भाव का प्रतीक है, जिसमें प्रकाश अंधकार पर, श्रद्धा मोह पर और सृजन विनाश पर विजय प्राप्त करती है। इस दिन जब संपूर्ण भारत दीपों से जगमगा उठता है, तब हर घर, हर हृदय में भगवान राम के स्वागत की मंगल भावना जाग उठती है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम 14 साल का वनवास पूरा करके आयोध्या लौटे थे। वो राम जिनके चरित्र की मिसाल आज भी दी जाती है और उन्हें उनके गुणों के कारण पूजनीय माना जाता है। श्रीराम ने हर परिस्थिति में सत्य और धर्म का पालन किया। उन्होंने अपने जीवन से संदेश दिया कि अगर इंसान चाहे तो वो अपने सद्कर्मों से मर्यादा पुरुषोत्तम हो सकता है। बस इसके लिए श्रीराम के आदर्शों का पालन करना अनिवार्य है। भगवान राम ने व्यक्तिगत सुख से ऊपर कर्तव्य को रखा। वनवास, सीता-हरण और युद्ध जैसी परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य और विवेक बनाए रखा। जो दर्शाता है कि इंसान धैर्य, विवेक और कर्तव्य का तालमेल बनाकर चले तो किसी भी परेशानी पर विजय हासिल कर सकता है। श्रीराम में अन्दर इतने गुण थे कि एक मानव के रूप में जन्म लेने के बावजूद अपनी प्रजा के लिए वो भगवान बने रहे और आज भी अपने चरित्र के कारण पूजे जाते हैं। उनके जो आदर्श थे, वो आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। त्रेता युग में इंसानों की फितरत और सोच स्पष्ट थी, लेकिन अब कलियुग है। इस युग में इंसान भटका हुआ है और आधुनिकता की चकाचौंध के कारण प्राचीन विचार लोगों को तर्कहीन और मूल्यहीन लगते हैं। आधुनिक पीढ़ी की सोच गलत भी नहीं है लेकिन सामान हो या सोच, हर चीज का रूपांतरण संभव है। विचार और मूल्य कभी पुराने नहीं होते बल्कि अगर उनका आधार मजबूत हो, तो समय के साथ वो खुद को एक नए स्वरूप में ढाल लेते हैं। बस उन्हें अपनाने की सुलभता हममें होनी चाहिए। भले ही आधुनिक पीढ़ी भगवान राम के मूल्यों को प्राचीन सोचकर अपनाने से हिचके, लेकिन भगवान राम के आदर्श इतने मूल्यवान हैं कि वो आज भी प्रासंगिक हैं। उनके जीवन से कई शिक्षाएँ मिलती हैं, जो आधुनिक चुनौतियों में भी मार्गदर्शन करती हैं। आज की दौड़-भाग में सत्य और नैतिकता से समझौता करना आसान है। आज का युवा अनेक प्रलोभनों और चुनौतियों से घिरा है, इसलिए श्रीराम की सत्य और धर्मनिष्ठा युवाओं के लिए यह ईमानदारी और नैतिकता का प्रतीक है। राम का जीवन यह बताता है कि परिवार और समाज के प्रति कर्तव्य निभाना ही सच्चा धर्म है। उनकी कर्तव्यपरायणता युवाओं को कर्तव्य और जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती है। आज की पीढ़ी जहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्म-संतुष्टि की ओर झुकी हुई है, वहीं श्रीराम का आदर्श हमें संतुलन सिखाता है। जो समझाता है कि स्वतंत्र रहो, पर अपने मूल्यों और परिवार से जुड़े रहो। श्रीराम की वाणी में संयम और आचरण में शुद्धता, सीमाओं और अनुशासन का महत्व सिखाते हैं। तनाव और असुरक्षा के दौर में श्रीराम का संकट में धैर्य रखना, युवाओं को मानसिक दृढ़ता और संकट-प्रबंधन की शिक्षा देता है। आज का युवा असफलता या आलोचना से निराश हो जाता है। ऐसे में भगवान श्रीराम का जीवन प्रेरित करता है कि संकट जीवन का अंत नहीं, बल्कि आत्मबल की परीक्षा है। हम अगर धैर्य से इस परीक्षा का सामना करें तो सफलता पाना तय है। बस जरूरी इस बात कि है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को श्रीराम के आदर्शों का न केवल ज्ञान दें बल्कि उन्हें अपनाने का भी प्रेरित करें।

सारा संसार

अमृतसर का स्वर्ण मंदिर केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया का मशहूर मंदिर है जिसकी गिनती भारत के सबसे चमत्कारिक मंदिर में की जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं लेकिन इस मंदिर को हरमंदिर साहिब के नाम से भी जाना जाता है। कहने को तो ये सिखों का गुरुद्वारा है, लेकिन मंदिर शब्द का जुड़ना इसी बात का प्रतीक है कि भारत में हर धर्म को एकसमान माना गया है।

दिवाली पर्व

प्रियंका श्रीवास्तव

अमेरिका में दिवाली: जहां प्रकाश मिलता है नेतृत्व से

हर साल पतझड़ के मौसम में, जब अमेरिका के शहरों की सड़कें और इमारतें रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाती हैं, एक अलग तरह की चमक भी फैलती है- दिवाली की रोशनी। कभी यह जश्न सिर्फ भारतीय प्रवासियों के घरों तक सीमित था, लेकिन अब यह त्योहार कॉर्पोरेट बोर्डरूम, विश्वविद्यालयों और सामुदायिक केंद्रों में सांस्कृतिक समावेश, धैर्य और नवीनीकरण का प्रतीक बन गया है। जब मैं पहली बार अमेरिका आई थी, दिवाली का मतलब था छोटे से अपार्टमेंट में दीये जलाना, फैमिली के साथ वीडियो कॉल पर जुड़ना, और कुछ करीबी दोस्तों के साथ घर का बना मिठाई साझा करना। समय के साथ वह छोटा सा मंडल बढ़ता गया-सहकर्मी शामिल हुए, स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, और यहां तक कि कंपनियों के लॉबी में रंगोली सजने लगी। जो कभी सिर्फ यादों की बात थी, वह अब एक 'समान भाव' बन गई।

साझा मूल्यों का त्योहार : दिवाली का संदेश-अंधकार पर प्रकाश की जीत, अज्ञान पर ज्ञान की जीत, और निराशा पर आशा की जीत- धर्म और देश की सीमाओं को पार कर जाता है। यह आधुनिक नेतृत्व के नजरिए के समान है: जटिलता में स्पष्टता, प्रतिस्पर्धा में सहानुभूति, और अनिश्चितता में साहस। कार्यालयों में दिवाली मनाना सिर्फ सांस्कृतिक पहचान का मामला नहीं है-यह हमें याद दिलाता है कि समावेश ही नवाचार है। जब संगठन विविध परंपराओं का सम्मान करते हैं, तो वे ऐसे वातावरण का निर्माण करते हैं जहां लोग अपने पूरे व्यक्तित्व के साथ काम में शामिल हो सकते हैं-और जहां सृजनात्मकता वास्तव में चमकती है।

प्रकाश को विरासत बनाना : मेरे लिए हर साल दीया जलाना व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों दृष्टि से महत्व रखता है। यह एक चिंतन का अनुष्ठान है-इस पर कि क्या हासिल किया गया, क्या सीखा गया, और हम कौन-सा प्रकाश आगे ले जा सकते हैं। एक ऐसी दुनिया में, जो अक्सर शोर और गति से परिभाषित होती है, दिवाली हमें रुकने का अवसर देती है। यह हमें प्रेरित करती है कि हम सहानुभूति के साथ नेतृत्व करें, ईमानदारी से निर्माण करें, और याद रखें कि विकास -चाहे वह व्यवसाय में हो या जीवन में-भीतर से प्रकाशित होने से शुरू होता है।

इस साल, जब अमेरिका में दीयों की रोशनी फैल रही है, यह एक शांत लेकिन शक्तिशाली कहानी बयां करती है: कि जब प्रकाश साझा किया जाता है, तो वह और भी बढ़ता है और शायद यही दिवाली का असली नेतृत्व सबक है।

-एसोसिएट डीन, हुल्ट इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका की रिपोर्ट

कृषि योजना

प्रमोद भार्गव

दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के उपाय

दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं। दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। पीएम मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नानाजी देशमुख ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। इन योजनाओं के लिए 35,440 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं।

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादन और उपभोक्ता देश है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में कृषि निर्यात दोगुना हो गया है लेकिन दालें आयात करनी पड़ती हैं।

आहार में पौष्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें, बढ़ते दामों के कारण गरीब की शारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही हैं। ये हालात मानसून के दौरान औसत से कम या ज्यादा बारिश होने से तो उत्पन्न होते ही हैं, किसान के नकदी फसलों की ओर रुख करने के कारण भी हुए हैं। यही नहीं, यह स्थिति इसलिए भी बनी, क्योंकि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार की गलत नीतियों के चलते किसान को खाद्य वस्तुओं की बजाय, ईंधन, प्लास्टिक और फूलों की फसल उगाने के लिए, कृषि विभाग ने जागरूकता के अभियान चलाए। यही वजह रही कि भूमंडलीकरण के दौर में दालों की पैदावार लगातार कम होती चली गई। दाल उत्पादन का रकबा लगभग 15 हजार हेक्टेयर कम हो गया। भारत में दालों की सालाना खपत 220 से 230 लाख टन है। मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर के चलते जमाखोरों और दाल के आयातक व्यापरियों को भी वारे-न्यारे करने का मौका मिल जाता है। पौष्टिक आहार देश के हरेक नागरिक के स्वस्थ जीवन से जुड़ा अहम प्रश्न है। संविधान के मूलभूत अधिकारों में भोजन का अधिकार शामिल है। चूंकि दालें प्रोटीन और पौष्टिकता का महत्वपूर्ण जरिया हैं। चूंकि दालें आयात करनी होती हैं, इसलिए इनके भाव भी बीच-बीच में बढ़ जाते हैं। इस कारण मध्यवर्गीय व्यक्ति की थाली से दाल गायब होने लगती है। चुनांचे दाल व्यक्ति की सेहत से जुड़ी हैं और बीमारी की हालत में तो रोगी को केवल दाल-रोटी खाने की ही सलाह चिकित्सक देते हैं। वर्ष 1951 में प्रतिव्यक्ति दालों की उपलब्धता 60 ग्राम थी,जो वर्ष 2010 में घटकर 34 ग्राम रह गई। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यह मात्रा 80 ग्राम होनी चाहिए। दालें भारत में प्रोटीन का प्रमुख स्त्रोत मानी जाती हैं। लेकिन स्थानीय मांग पूरी करने के लिए दाल उत्पादन में किसान को बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। तुअर दाल की फसल आठ माह में तैयार होती है। बावजूद किसान को उचित दाम नहीं मिलते हैं। गोया, किसान साल में एक फसल उगाने में रुचि कैसे लें? विदेशों में रहने वाले भारतीय भी सबसे ज्यादा तुअर की दाल खाना पसंद करते हैं। देश में सबसे अधिक चने और

अरहर की खेती होती है। इनके अलावा मूंग और उड़द की दालें पैदा होती हैं। देष में 10 राज्यों के किसान दालों की खेती करते हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। दालें मुख्य रूप से खरीफ की फसल हैं,जो वर्षा ऋतु में बोई जाती हैं। इस ऋतु में करीब 70 प्रतिशत दालों का उत्पादन होता है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार दालों के तात्कालिक भाव 85.42 प्रति किलो से लेकर 112.88 रुपये किलो तक हैं। भावों में इस उछाल का कारण जमाखोरी और सट्टेबाजी के साथ आयात का कुचक्र है। टाटा, मंहिद्रा, ईजी-डे और रिलांइस जैसी बड़ी कंपनियां जब से दाल के व्यापार से जुड़ी हैं, तब से ये जब चाहे तब मुनाफे के लिए दाल से खिलवाड़ करने लग जाती हैं। जब कंपनियां बड़ी तादाद में दालों का भंडारण कर लेती हैं,तो भावों में कृत्रिम उछाल आ जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने दालों का भंडारण सितंबर 2024 से सीमित किया हुआ है। इस कारण भाव नियंत्रण में हैं। मीडिया दाल के बढ़ते भावों को गरीब की थाली से जोड़कर उछालता है। तब सरकार दाल के आयात के लिए विवश हो जाती है। मसलन देशी-विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हर हाल में पौ-बारह बने रहते हैं। इन कंपनियों का दबदबा इतना है कि कोई भी राज्य सरकार इनके गोदामों पर छापे डालने का जोखिम उठाने का साहस नहीं जुटा पाती। लिहाजा कालाबाजारी बदस्तूर रहती है। ये कंपनियां मसूर और मटर की दाल कनाडा से, उड़द और अरहर की दाल बर्मा के रंगून से, राजमा चीन से और काबुली चना आस्ट्रेलिया से आयात करती हैं। इनके अलावा अमेरिका, रूस, केन्या, तंजानिया, मोजांबिक, मलावा और तुर्की से भी दालें आायात की जाती हैं। कनाडा ने मसूर दाल के भाव पिछले साल की तुलना में दोगुने कर दिए हैं। कनाडा एशियाई देशों में सबसे ज्यादा दालों का निर्यात करने वाला देश है। इस नाते यह कहने में कोई दो राय नहीं कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बात तो छोड़िए, देशी कंपनियां भी भारतीय कृषि को बदहाल बनाए रखना चाहती हैं। आयात की जब इन्हें खुली छूट मिल जाती है तो ये जरूरत से ज्यादा दाल व तेल का आयात करके भारत को डंपिंग ग्राउंड बना देती हैं। तय है, कालांतर में भारत की तरह दूसरे देशों में यदि मौसम रूठ जाता है तो दाल और प्याज की तरह खाद्य-तेल के भाव भी आसमान छूने लग जाते हैं। सस्ते तेल का आयात जारी रहने की वजह से ही भारत में तिलहन का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बावजूद हमारे नेता ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने की कोशिशों में लगे रहे हैं कि दलहन और तिलहत के क्षेत्र में भारत पूरी तरह परावलंबी बना रहे। इस परिप्रेक्ष्य में मनमोहन सरकार के कृषि मंत्री बलराम जाखड़ ने सलाह दी थी कि भारत अफ्रीका में दालें उगाए और फिर आयात करे।

इसी तरह संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार म्यांमार और उरुग्वे में दालें पैदा करके आयात करना चाहते थे। ये सुझाव समझ से परे हैं। फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में आधुनिक गोदाम और कोल्ड स्टोरेज का नेटवर्क बनाना होगा। यह इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दाल से बेसन, पापड़, नमकीन और अन्य उत्पाद बनाने के लिए स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ावा देने से किसानों की आय में और वृद्धि होगी। आखिर ऐसे क्या रहस्य हैं कि हमारे नीति-नियंता विदेशी धरती पर तो दाल उत्पादन को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, किंतु देश के किसानों को लाभकारी मूल्य देना नहीं चाहते? ऐसी मंशाएं देश की खाद्य सुरक्षा को जान-बूझकर संकट में डालने जैसी लगती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

क्रियायोग: अधिक विकसित होगी नई पीढ़ी

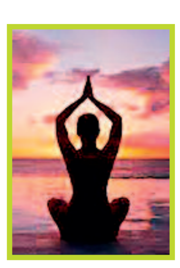

संकलित

दर्शन

सभी मनुष्य वस्तुतः आत्माएं ही हैं। आपके लिए मात्र जन्म के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है। जिन्हें हम 'नौजवान व्यक्ति' कहते हैं, वे पुरानी आत्माएं हैं और वे प्रत्येक मनुष्य में अंतर्जात कामनाओं-सुख, सुरक्षा, प्रेम इत्यादि कामनाओं को पूर्ण करने के लिए हर प्रकार के प्रयासों और आकांक्षाओं से गुजर चुकी हैं। उन्होंने उस (पूर्ति) को प्राप्त करने के प्रयास में अनेक जन्म व्यतीत किए हैं और अंततः वे यहां आए हैं तथा जिन लोगों ने जन्म लिया है, उनमें से लाखों लोग अपने पूर्वजन्मों से विकास के उस चरण में हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण इस विषय पर प्रकाश डालते हैं। वे अर्जुन से कहते हैं, 'यदि अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किए बिना तुम्हारे इस जीवन का अंत हो जाता है तो चिंता मत करो, क्योंकि योग-ध्यान का कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं होता है।' तत्पश्चात उस भक्त का एक ऐसे वातावरण में पुनर्जन्म होता है, जहां वह पुनः अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है। इसलिए जिन्हें आप 'नौजवान व्यक्ति' कह रहे हैं, वे ज्ञानीजन हैं। वे संभवतः ऐसे युद्धरत आत्माएं हैं, जो हर प्रकार के अनुभव से गुजर चुके हैं और जिनकी चेतना इस प्रकार की है कि उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में हर तरह के कार्य किए हैं। वे पुनः लौटकर आते हैं और कहते हैं, 'अब मैं अपना और अधिक समय व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं अपने और अधिक जन्मों को व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं वह कार्य करूंगा, जो वास्तव में मेरे आत्मा की क्षमताओं और मेरे आत्मा में विद्यमान उस दिव्य संपर्क की तृष्णा की पूर्ति करेगा।'

एक लकड़ी का कटोरा

संकलित

प्रेरणा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु-बेटे के यहां शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। बूढ़ा पिता वहीं अकेले में बैठ कर अपना भोजन करने लगा, यहां तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने ज़मीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखाः तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूँ, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आँखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

शोभा यात्रा

दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या में रविवार, 19 अक्टूबर, 2025 को आयोजित शोभा यात्रा में कलाकार हिस्सा लेते हुए। दीप पर्व पर राम की नगरी अयोध्या में भव्य यात्रा निकाली गई।

आज की पाती

विद्यार्थी मोबाइल से दूरी बनाए रखें

राज्य सरकार सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों को स्कूल समय में मोबाइल का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाए। अगर स्कूलों और अन्य शिक्षा संस्थानों में मोबाइल प्रयोग की खुली छूट दे दी जाए तो बहुत से विद्यार्थी इसका दुरुपयोग ही करते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि यहां मोबाइल पर प्रतिबंध लगे, लेकिन अगर शिक्षकों के मोबाइल प्रतिबंधित नहीं होंगे और शिक्षक पढ़ाने के दौरान मोबाइल प्रयोग करेंगे तो इसका विद्यार्थियों पर नकारात्मक प्रभाव पडेगा। विद्यार्थियों को चाहिए कि वो अपनी जिंदगी का कीमती समय बेवजह बर्बाद न करें। टेक्नोलॉजी का उचित प्रयोग किया जाए तो वो लाभकारी सिद्ध होती है और दुरुपयोग हानिकारक।

– प्रेम त्रिपाठी, भाटापारा

ट्रेंड

बंगाल घुसपैठिया मुक्त होगा

गुजरात, राजस्थान, असम में घुसपैठ नहीं होती, क्योंकि वहाँ भाजपा सरकार है, बंगाल और झारखंड में घुसपैठियों का स्वागत वोट बैंक के लिए होता है। बंगाल से ममता सरकार हटने और भाजपा सरकार आने के बाद बंगाल घुसपैठिया मुक्त होगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

अर्थव्यवस्था को नई उड़ान

लखनऊ का स्ट्रैटेजिक मटेरियल टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स, औद्योगिक नक्शे पर एक नया आयाम जोड़ने वाला है। इससे एक नई इनोवैशन चेन भी बनेगी, जो न केवल रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करेगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई उड़ान देगी।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

ग्रीन पटाखों का प्रयोग करें

सालों बाद दिल्ली में दिवाली का उत्सव फिर से अपने पूरे रंग और रोशनी के साथ मनाया जाएगा। आप सभी से अपील है कि इस दीपावली केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करें और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन अवश्य करें।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हृदय को प्रकाशित करें

जिस प्रकार अयोध्यावासियों ने भगवान राम के वास्तविक निवास में स्वागत के लिए नगर को प्रकाशित किया था, आइए हम भी उनके वास्तविक निवास में स्वागत करने के लिए अपने हृदय को प्रकाशित करें..

- शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

चोरी की घटना के बाद फ्रांस का लूव्र संग्रहालय किया बंद

फ्रांस के लूव्र संग्रहालय में रविवार को चोरी की एक घटना हुई और इसे दिन भर के लिए बंद कर दिया गया है जबकि प्राधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। यह जानकारी फ्रांस की संस्कृति मंत्री रचिदा दाती ने दी। रचिदा दाती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज सुबह लूव्र संग्रहालय खुलने के समय चोरी की एक घटना हुई।खबर में कहा गया है कि उन्होंने अपोलो गैलरी के लक्षित कमरे तक सीधे पहुंचने के लिए एक मालवाहक लिफ्ट का इस्तेमाल किया। 'ले पेरिसियन' की खबर के अनुसार, खिड़कियां तोड़ने के बाद, अपराधियों ने कथित तौर पर नेपोलियन और महारानी के आभूषण संग्रह से नौ आभूषण चुरा लिये। लूव्र संग्रहालय में चोरी और डकैती के प्रयासों का एक लंबा इतिहास रहा है। वर्ष 1911 में हुई घटना में मोना लिसा की पेंटिंग फ्रेम से गायब हो गई थी, जिसे विन्सेन्जो पेरुगिया नामक एक पूर्व कर्मचारी ने चुरा लिया था, जो संग्रहालय के अंदर छिप गया और पेंटिंग अपने कोट के नीचे छिपाकर बाहर निकल गया। पेंटिंग दो साल बाद फ्लोरेंस में बरामद की गई। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची के चित्र को दुनिया की सबसे प्रसिद्ध कलाकृति बनाने में मदद की।

ऑफ बीट

आंत रोग की कुछ स्थितियां पार्किंसंन के लिए जिम्मेदार

कुछ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं, जैसे निगलने में कठिनाई, कब्ज और आंत विकार (आईबीएस) पार्किंसंन रोग के जोखिम से जुड़ी हो सकती हैं। एक अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है। पार्किंसंन एक मस्तिष्क विकार है, जिसके कारण शरीर में कंपकंपी, ऐंठन और संतुलन एवं समन्वय बैठाने में कठिनाई होती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पूर्व में आंत की कुछ समस्याओं को पक्षाघात या मस्तिष्क धमनी विकार या अल्जाइमर रोग जैसी बीमारियों का कारण बनने से जोड़ा गया है। पत्रिका 'गट' में प्रकाशित नवीनतम अध्ययन में अमेरिकी राष्ट्रव्यापी मेडिकल रिकॉर्ड नेटवर्क (ट्राइनेटएक्स) के 24,624 लोगों के आंकड़ों का उपयोग किया गया, जिन्हें अज्ञात कारण से पार्किंसंन रोग हुआ था। ऐसे लोगों की तुलना उन लोगों से की गई, जो अन्य मस्तिष्क विकार स्थितियों जैसे अल्जाइमर रोग (19,046) या सेरेब्रोवास्कुलर रोग से ग्रसित (23,942) या इनमें से कोई भी नहीं (24,624) पाए गए थे। पार्किंसंन रोग से पीड़ित लोगों का उनके इस रोग का पता चलने से औसतन 6 साल पहले के इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड में शामिल आंत रोग स्थितियों की आवृत्ति की तुलना करने के लिए उम्र, लिंग और अन्य विवरणों के आधार पर अन्य समूहों के लोगों के साथ मिलान किया गया था।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

रायपुर
सोमवार 20 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष: 24, अंक: 93
पृष्ठ: 16+8 = 24 मूल्य: 5.00**
मौसम
अधि. 32.0
न्यून. 20.5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

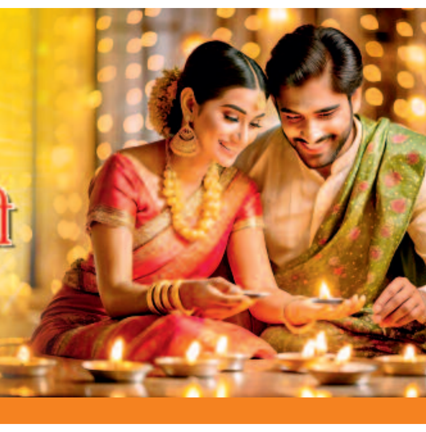

नक्सलियों से जब्त हथियारों का जखीरा हो रहा जमा, जिनसे लूटे, उनको वापस करने का प्रावधान

नक्सलियों के समर्पण के साथ ही हथियारों का जखीरा भी हो रहा है जमा

छत्तीसगढ़ में इस समय बड़ी संख्या में नक्सली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं, जो नक्सली हथियारों से लैस रहे हैं, वे अपने हथियार पुलिस को सौंप रहे हैं। इसके साथ ही पुलिस मुठभेड़ के दौरान भी नक्सलियों के हथियार पुलिस के हाथ लग रहे हैं, लेकिन ये एक बड़ा सवाल है कि पुलिस आखिर इन जब्तशुदा हथियारों का क्या करती है?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इस संबंध में उच्च पदस्थ सूत्रों ने हरिभूमि को बताया कि इस तरह मिले हथियारों को सबसे पहले पुलिस सेफ कस्टडी में रखती है। इसके साथ ही ये जांच की जाती है ये हथियार किस जिले या किस राज्य से लूटे गए हैं। इस संबंध में ये प्रावधान है कि जहां से हथियार लूटे गए होते हैं वहां उन्हें वापस कर दिया जाता है।

राज्य में इस समय पुलिस और सुरक्षाबलों ने नक्सलवादियों के खिलाफ जमकर शिकंजा कस रखा है। पुलिस के सामने बड़ी संख्या में नक्सली नेता, कमांडर और उनके अलग-अलग दलम, संघम या फ्रंटल आर्गेनाइजेशन से जुड़े नक्सली लगातार समर्पण कर रहे हैं। इसके पीछे सरकार का दबाव और सरकार द्वारा बनाई कई नक्सल पुनर्वास नीति की भी बड़ी भूमिका है। इसी नीति के तहत जो नक्सली जितने बड़े हथियार के साथ समर्पण करता है, ▶▶| शेष पेज 4 पर

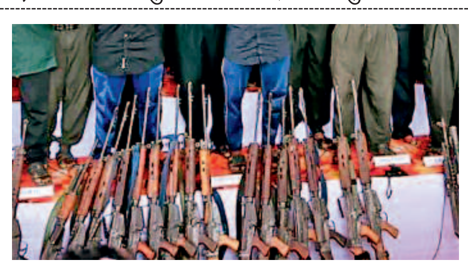

ऐसा है प्रावधान

उच्च पदस्थ पुलिस सूत्रों के अनुसार नक्सलियों के कब्जे से बरामद होने वाले हथियारों में अधिकतर वह हथियार होते हैं जो पुलिस से लूटे, छीने या चुराए गए होते हैं। ये हथियार राज्य के ही अलग-अलग जिलों के अलावा अन्य प्रदेशों के भी होते हैं। पुलिस के पास ये हथियार आने के बाद सबसे पहले उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। यानी उन्हें सेफ कस्टडी में रखा जाता है। अपराधों से संबंधित मामलों के हथियारों पर अदालत के आदेश से कार्यवाही होती है। जो हथियार पुराने या खराब हो जाते हैं उन्हें अदालत के आदेश पर नष्ट करने का प्रावधान है। इस तरह बरामद हथियारों को सुरक्षित जगह पर रखना संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी होती है। जब ये साफ हो जाता है कि हथियार किस जिले या राज्य का है तो उसे वहां वापस कर दिया जाता है।

ज्यादातर हथियार पुलिस के ही

छत्तीसगढ़ की बात की जाए तो यहां कुछ थानों में घुसकर हथियारों की लूट की वारदात हो चुकी है। नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद होने वाले पुलिस एवं सुरक्षा बलों के हथियार भी नक्सली ले जाते हैं और इनका उपयोग फिर पुलिस के खिलाफ ही करते हैं। फिलहाल जब बड़ी संख्या में नक्सली समर्पण कर रहे हैं तो वे अपने हथियार भी डाल रहे हैं, राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों में हथियारों का जखीरा भी जमा हो रहा है।

नक्सलियों ने छोड़े इतने हथियार

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. के अनुसार पिछले दिनों समर्पण करने वाले नक्सलियों से 153 हथियार बरामद किए गए हैं। इसमें एके 47, 19 राइफल, एसएलआर 17 राइफल. इंसास 13 राइफल, इंसास एलएमजी 1 नग, थ्री नाट थ्री 36 राइफल, कार्बाइन : 4 राइफलें, बीएलजी लांचर 11 नग, 12 बोर सिंगल शाटगन 41, पिस्तौल 1 नग आदि मिल हैं। इनमें से जो हथियार पुलिस से लूटे गए हैं, उनकी पहचान कर कोर्ट के आदेश से और अनुमति लेकर संबंधित जिले या राज्य की पुलिस को सौंपने का प्रावधान है। इसके अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

लालू के घर हंगामा

टिकट नहीं मिलने पर फूट-फूटकर रोए राजद नेता, कपड़े फाड़े, कहा- मांगे 2.70 करोड़

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर रविवार को राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद के आवास के बाहर नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, जब टिकट न मिलने पर एक नेता फूट-फूटकर रोने लगे, अपने कपड़े फाड़ लिए और सड़क पर लेट गए। मधुबन सीट से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे मदन साह ने आरोप लगाया कि उनसे टिकट देने के एवज में 2.70 करोड़ रुपए मांगे गए थे। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया ▶▶| शेष पेज 4 पर

7.43 करोड़ वोटर

बता दें कि चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर 2025 को आधिकारिक शेड्यूल जारी किया था। आयोग के अनुसार, इस चुनाव में कुल 7.43 करोड़ वोटर (जिनमें 14 लाख नए वोटर) अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। बिहार विधानसभा की सभी 243 सीटों के लिए वोटिंग दो फेज में होगी। पहला चरण 6 नवंबर और दूसरा चरण 11 नवंबर को मतदान किया जाएगा। परिणाम 14 नवंबर को घोषित किया जायेगा।

तेजस्वी के करीबी ने मांगे दो करोड़ 70 लाख

मदन शाह ने राजद नेता तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शाह का कहना है कि यादव ने उनसे 2.70 करोड़ रुपए मांगे हैं। शाह का आरोप है कि संजय टिकट बेच रहे हैं। टिकट के बदले पैसे मांगे गए थे। पैसे देने से मैंने मना किया तो मेरा टिकट काट दिया और डॉ. संतोष कुशवाहा को दे दिया। बता दें, संतोष कुशवाहा सीमांचल में जदयू के कद्दावर नेता थे, जिन्होंने हाल मे राजद का दामन थामा है।

समोसे के बदले यात्री से लिया घड़ी, केस दर्ज

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर स्टेशन पर समोसे के एवज में एक यात्री से उसकी घड़ी ले लेने वाले वेंडर (विक्रेता) के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद रेलवे ने अब आरोपी वेंडर का लाइसेंस रद्द करने की तैयारी शुरू कर दी है।

हिरासत में वेंडर

जबलपुर डिविजनल रेलवे मैनेजर 'एक्स' पर किए गए इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, वेंडर की पहचान कर ली गई है तथा आरपीएफ ने मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Low EMI offers are applicable for select HMSI models as follows: ₹49/- per day for Shine100 DX ; ₹79/- per day for Shine125, SP125 & CB125 Hornet; ₹1999/- per month for Activa. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 31st October 2025. **Instant Cashback up to ₹5000 is available on selected HMSI models for EMI transactions using HDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of ₹40000. **An instant cashback of flat ₹2000 is applicable on a minimum full swipe transaction of ₹40000, and flat ₹3000 Instant cashback on a minimum full swipe transaction of ₹75002. **Instant Cashback up to ₹4000 is available on selected HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of ₹40000. **The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. **The Instant Cashback offers from HDFC Bank and IDFC Bank are valid until 31st October 2025. ^GST benefit is based on a reduction from 28% to 18% GST on the Ex-showroom price of NX 200. ^The actual savings may vary depending on the selected model and state. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: RAIPUR: A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; AARANG: V Shree Honda - 9993908971; ABHANPUR: Patel Honda - 9009328660; BAGBHARA: Sri Sai Honda - 7697767777; BALODA BAZAR: Kiran Honda - 7049518181; BASNA: Laxmi Honda - 9174137571; BEERGAON: Vishwanath Honda - 9300133077; PALARI: Shri Ram Honda - 8305759763; BEMETARA: Sri Rama Honda - 8827050000; BHAKARA: Nitesh Honda - 9907975628; BHATAPARA: Kiran Honda - 9111353292; BHILAI: Aan Honda (Nehru Nagar) - 9584378238; Aan Honda (Powerhouse) - 9584378238; BIJAPUR: Ansh Honda - 9424299203; CHARODA: Rahul Honda - 9827193194; CHARAMA: Neeraj Honda - 9425230052; CHHUIKHADAN: Shri Radhey Honda - 9691692500; DALLIRAJHARA: Shri Subh Honda - 7748285747; Shri Subh Honda (Balod)- 9425564232; DHAMTARI: ShriShyam Honda - 9827900750; DHARSIVA: R S.Honda - 9669880000; DONGARGARH: Gagan Honda - 9806869214; DURG: Shree Sairam Honda - 8458882333; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; FINGESHWAR: Bangani Honda - 9425402966; GIDHORI: Subhkamana Auto - 7389320271; GUNDERDEHI: Sapan Honda - 7354340000; GURUR: Baba Honda - 9827936712; JAGDALPUR: Waheguru Honda - 7587006395; KONDAGAON: Danteshwari Honda - 9294566660; SUKMA: Akash Honda - 9424287457; PHARASGAON: Shri Deo Honda - 9993861735; KANKER: Shivnath Honda - 8720008800; KASDOL: Laxmi Honda - 8871233553; KESHKAL: Chattishgarh Honda - 9993293467; KHAIRAGARH: Akshat Honda - 9406534734; KURUD: Shri Shyam Honda - 07705223590; MAGALOAD: Dewangan Honda - 9098136447; MAHASAMUND: Sri Aryan Honda - 8120070000; NAGRI: Nahta Honda - 9424211105; NAWAGARH: Raja Honda - 9826067896; PAKHANJUR: Disha Honda - 6261666932; PANDUKA (GARIABAND): Shresth Honda - 8109902966; RAJIM: Gulab Honda - 8839708788; RAJNANDGAON: Anshdeep Honda - 9425559359; Manraj Honda - 8435999991; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; SEJBAHAR: R.S Honda - 9754123000; KHARORA: B.K Honda - 9867224777; TILDA: Agrawal Honda - 9424200104; UTAI: Ganpati Honda - 09926083389; SARAIPALI: Pukraj Honda - 8889798000.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

कपूर और पटौदी परिवार ने मनाई दिवाली सैफ-करीना और करिश्मा ने दिए पोज

मुंबई। त्योहारों के मौसम में कई बॉलीवुड सेलेब्स अपने-अपने तरीके से दिवाली मना रहे हैं। हाल ही में कई सितारे एक्टर रवि दुबे और सरगुन मेहता की दिवाली पार्टी में पहुंचे और अपने लुक से महफिल को रौशन किया। इसी तरह से अब बॉलीवुड के सबसे मशहूर परिवार कपूर और पटौदी परिवार ने दिवाली मनाई है।

कपूर परिवार की दिवाली : सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में देखा जा सकता है कि कपूर परिवार की महिलाओं ने दिवाली मनाई है। तस्वीर में नीतू कपूर ने नीली रंग की ड्रेस पहनी है। आलिया भट्ट ने गोल्डन साड़ी पहनी है। करीना कपूर हल्की फिरोजी ड्रेस में नजर आई हैं। वहीं, करिश्मा कपूर काले-सफेद ड्रेस में खूबसूरत लग रही हैं। एक दूसरी तस्वीर में करीना कपूर, नीतू कपूर के साथ पोज देते हुए पाउट बना रही हैं।

पटौदी परिवार की दिवाली : वहीं,पटौदी परिवार की दिवाली मनाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं। एक तस्वीर में सैफ अली खान लाल और क्रीम कलर के धोती कुर्ता में नजर आ रहे हैं। एक तरफ लाल ड्रेस में उनकी बहन सोहा अली खान हैं तो दूसरी तरफ करीना कपूर पोज दे रही हैं। इस तस्वीर में कुणाल खेमू भी नजर आ रहे हैं। एक और तस्वीर में सैफ अली खान सोहा अली खान के साथ पोज दे रहे हैं। दोनों पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं। ज्यादातर यूजर्स ने सेलेब्स को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। कई यूजर्स ने दिल वाला इमोजी कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है 'बॉलीवुड का शाही परिवार।'

कपूर और पटौदी परिवार में नए सदस्य : आपको बता दें कि आलिया भट्ट की शादी कपूर परिवार में रणबीर कपूर के साथ हो गई है, इसलिए वह कपूर परिवार का हिस्सा बन गई हैं। इसी तरह से करीना कपूर की शादी पटौदी परिवार में सैफ अली खान के साथ हुई है, इसलिए वह अब पटौदी परिवार का हिस्सा हैं।

गदर के बाद अब गबरू बनेंगे सनी

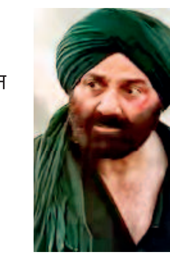

मुंबई। रविवार 19 अक्टूबर को अभिनेता सनी देओल ने अपना 68वां जन्मदिन मनाया। इस खास अवसर पर अभिनेता की नई फिल्म की घोषणा हुई है, जिसके फर्स्ट लुक में सनी पाजी प्रभावी अंदाज में नजर आ रहे हैं। अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म का नाम 'गबरू' है। इस फिल्म को शशांक उदापुरकर ने लिखा और निर्देशित किया है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। इसे साझा करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'शक्ति वो नहीं है जो आप दिखाते हैं, शक्ति वो है जो आप करते हैं! आप सभी के प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। यहां आप सभी के लिए कुछ है जो इंतजार कर रहे हैं 'गबरू' सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को रिलीज होगी, जो साहस, विवेक और करुणा की एक कहानी है।' ओम छंगानी और विशाल राणा द्वारा निर्मित यह फिल्म 13 मार्च, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

निखिल की दिवाली पार्टी में पहुंचीं नरगिस जेनेलिया ने रितेश संग बढ़ाई रौनक

मुंबई। इन दिनों बॉलीवुड में कई दिवाली पार्टी चल रही हैं। हाल ही में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में कई फिल्मी सितारे नजर आए। शनिवार रात फिल्ममेकर निखिल आडवाणी ने भी दिवाली पार्टी दी, इसमें रितेश, जेनेलिया और नरगिस फाखरी के अलावा कई एक्टर्स पहुंचे। निखिल आडवाणी की दिवाली पार्टी में सबसे पहले नरगिस फाखरी को देखा गया। वह ऑरेंज कलर के लहंगे में पार्टी में शामिल हुईं। पैपराजी को नरगिस ने हैप्पी दिवाली कहा। साथ ही फोटो पोज भी आराम से दिए। जेनेलिया डिसूजा ने भी दिवाली पार्टी में पति रितेश देशमुख के साथ शिरकत की है। वह सुंदर सूट-सलवार में पार्टी में आईं। रितेश ने पार्टी में एंट्री लेते वक्त जेनेलिया का हाथ थामा हुआ था। दोनों अक्सर ही फैंस के लिए क्यूट कपल गोल सेट करते हैं।

छोटी दिवाली को किया बेबी बॉय का वेलकम

मुंबई। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा के घर छोटी दिवाली के खास मौके एक बड़ी खुशखबरी सुनने को मिली है। इस कपल ने इस शुभ अवसर पर अपने घर में नन्हे कदमों का वेलकम किया है। परिणीति चोपड़ा के पति राघव चड्ढा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को बताते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बेटे को जन्म देने की खबर दी है और साथ ही एक खूबसूरत कैप्शन लिखा है। इस गुड न्यूज को शेयर करते ही कपल के फैंस खुशी से झूम उठे हैं और कमेंट सेक्शन में बधाई की झड़ी लग गई है। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और पॉलिटिशियन राघव चड्ढा काफी समय से अपने घर पर नन्हे मेहमान के आने का इंतजार कर रहे थे और दोनों इसके लिए तैयारियों में लगे हुए थे। वहीं, रविवार सुबह ही एक्ट्रेस को हॉस्पिटल में एडमिट करने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसके बाद से ही फैंस बेसब्री से खुशखबरी का इंतजार कर रहे थे।

किसिंग सीन पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

मुंबई। मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'थामा' को सेंसर बोर्ड ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट दिया है, यानि बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी उम्र के लोग इस फिल्म का मजा थिएटर्स में जाकर ले सकेंगे। लेकिन, साथ ही साथ कई जगहों पर बदलाव भी किए गए हैं, जो हो सकता है कि कुछ सीन्स का मजा फीका या आधा कर दें। सीबीएफसी ने तीन जगह पर ऑडियो कट लगाया है और एक सीन बदलने को कहा है। इसके अलावा भी कई जगहों पर छोटे-बड़े बदलाव किए गए हैं। सेंसर बोर्ड ने फिल्म के एक सीन में खून पीने की आवाज को कम किए जाने को कहा है। इसके अलावा एक जगह पर 'अलेक्जेंडर' की जगह 'सिकंदर' शब्द इस्तेमाल करने को कहा। फिल्म में एक जगह पर 'अश्वत्थामा' शब्द का इस्तेमाल किया गया है, जिसे बोर्ड ने म्यूट करने को कहा है। सेकंड हाफ में एक जगह पर 'आजादी दूंगा' की जगह 'अय्याशी करता हूं' का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। फिल्म में एक किसिंग सीन है, जिसकी लंबाई को सेंसर बोर्ड ने 30% यानि 5 सेकंड कम कर दिया है।

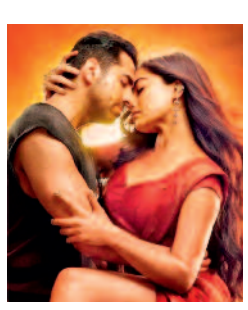

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisement booking : Raipur- 79871-19756, 6263818152

Appointment आवश्यकता

टीचर
आवश्यकता है- श्री कृष्णा उच्च. माध्य. विद्यालय चण्डी, अभनपुर में अंग्रेजी शिक्षक की आवश्यकता है। योग्यता- एम.ए. अंग्रेजी/ बी.एड आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि- 25/10/ 2025 संपर्क- 99261-25257, 90989-18599. (RO-6744)

ठेकेदार/मिस्त्री
आवश्यकता है- कूलर फैक्ट्री में विंडो कूलर बनाने एवं मिग वेल्डिंग,गैस वेल्डिंग करने के लिए ठेकेदार एवं मिस्त्री की आवश्यकता है। संपर्क - कूलर हाउस, गांधी चौक, रायपुर मोबाइल 9827129211. (RO-338)

अन्य
आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें - 9241054300 (RO-590)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

कम्पाउंडर/तकनीशियन
राजीव लोचन आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज
चंदखुरी दुर्ग (छ.ग.)
आयुर्वेद पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश सूचना
छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा (आयुष) मंत्रालय द्वारा अनुमति तथा छत्तीसगढ़ सह-चिकित्सा परिषद छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एक वर्षीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

क्र.	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या
1.	आयुर्वेद कम्पाउंडर	30
2.	पंचकर्म सहायक (तकनीशियन)	30

योग्यता :- 10 + 2 प्रणाली की बायोलॉजी विषय के साथ छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मंडल अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण
आवेदन शुल्क 1000/- रू. का बैंक ड्राफ्ट/नगद के साथ अंतिम तिथि 29.10.2025 तक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ महाविद्यालय के पते पर सीधे/ डाक द्वारा कार्यालयीन अवधि में आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं।
1. शासकीय /निजी संस्थान में नियुक्ति हेतु मान्य
2. छत्तीसगढ़ शासन पैरामेडिकल कांउसिल द्वारा पंजीयन
विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र हेतु महाविद्यालय के वेबसाइट www.rlamcollege.org का अवलोकन करें।

शॉपिंग मॉल
आवश्यकता है- VPS सुपर बाजार , VPS पूजा समान भंडार , VPS किराना दुकान में , सभी काम करने हेतु अनुभवी कर्मचारी की आवश्यकता है कृपया VPS पते में अपने सभी परिचय पत्र के खुद आकर मिलें , पता , VPS SUPER BAZAR , VPS वर्षा कॉम्प्लेक्स भाठागाँव रायपुर छत्तीसगढ़ , VPS WHATSAPPP नंबर 8109 199 199 (RO-vijay)

सब कुछ है यहां पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

Business व्यापार
व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित संपर्क:- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099. (RO-302)

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा आशियाना
कैवल्य पार्क Phase 2
कुम्हारी, कैवल्यधाम मंदिर से 200 मी. की दुरी पर
BALAJI BUILDERS & DEVELOPERS
9522746004, 9826122832

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

टीवी मसाला

बिग बॉस-19 में दिवाली बनी इमोशनल नाइट

नई दिल्ली। सलमान खान के शो 'बिग बॉस 19' में दिवाली के मौके पर कई धमाके देखने को मिलेंगे तो इमोशनल मोड़ भी आएगा। शनिवार को 'वीकेंड के वार' में सलमान खान ने फरहाना भट्ट और मालती चाहर सहित कई कंटेस्टेंट की क्लास लगाई। यह एपिसोड खास रहा क्योंकि रविवार वीकेंड के वार में प्रतिभागियों के परिवार वालों ने उनके लिए विशेष मैसेज भेजे हैं। इस एपिसोड में घरवालों के आंसू निकल रहे हैं, और इसका कारण सलमान की डांट नहीं, बल्कि परिवार वालों की तरफ से भेजे गए तोहफे और मैसेज हैं। शो का नया प्रोमो रिलीज हुआ है जिसमें फिल्म 'थामा'के लीड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना नजर आ रहे हैं। प्रोमो में आयुष्मान खुराना कहते हैं कि आपके लिए बिग बॉस ने एक मेला लगाया है, जिसमें कई तोहफे हैं और ये आपके घर से आए हैं। प्रोमो में शहबाज को रोते हुए दिखाया गया है, क्योंकि वे अपनी बहन शहनाज गिल को देखकर इमोशनल हो जाते हैं। शहनाज कहती हैं कि वे घर में बहुत अच्छा खेल रहे हैं और उन्हें स्क्रीन पर देखकर सभी लोग खुश हैं, लेकिन वहां से आने की जल्दी न करें, क्योंकि फिलहाल घरवाले उनको मिस नहीं कर रहे हैं। इसके बाद फरहाना की मां का मैसेज दिखाया जाता है जिसमें उनकी मां कहती हैं, 'बेटा, तुम अकेले ही बहुत अच्छा खेलती हो शेरनी हो तुम शेरनी, बस जीत के आना." मां का मैसेज सुनकर फरहाना फूट-फूट कर रोती हैं। शो का पूरा माहौल दीपावली पर इमोशनल हो जाता है।

मल्लिका ने बढ़ाया शो 'पति पत्नी और पंगा' का पारा

मुंबई। मल्लिका शेरावत काफी समय से फिल्मों से दूर हैं। हाल ही में वह शो 'पति पत्नी और पंगा'में नजर आईं। इस शो में उन्हें कुछ प्रतियोगियों के साथ फ्लर्ट करते देखा गया। यूजर्स ने मल्लिका के अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर मजेदार रिएक्शन दिए हैं। इन दिनों टीवी पर एक रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो में कई सेलिब्रिटी कपल शामिल हैं। हाल ही में बतौर गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत भी इस शो का हिस्सा बनी हैं। मल्लिका के आने से 'पति पत्नी और पंगा' का पारा बढ़ गया। मल्लिका शेरावत ने जब शो में एंट्री ली तो कुछ पुरुष प्रतियोगी उनसे फ्लर्ट करते दिखे। जब मल्लिका ने स्वरा भास्कर के पति के गालों को खींचा तो अभिषेक कुमार नाराज हो गए। इस बात पर शो के होस्ट मुनव्वर फारूखी से शिकायत करते दिखे। जब अभिषेक कुमार शिकायत कर रहे थे तो मल्लिका उनके करीब आती हैं और उनके गालों को हाथ लगा देती हैं। इस पर अभिषेक शरमा जाते हैं। यूजर्स ने भी अभिषेक कुमार और मल्लिका शेरावत वाले वीडियो पर रिएक्शन दिए हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

गुड़ियापारा के ग्रामीणों ने खुद उठाया विकास का जिम्मा, बनाएंगे रोड

जगदलपुर। बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के भीतर बसे गुड़ियापदर गांव के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन की वर्षों से जारी उपेक्षा से तंग आकर स्वयं सड़क निर्माण का बीड़ा उठाया है। यह वही गांव है जहां कुछ दिन पहले एक गर्भवती महिला को खटिया को स्ट्रेचर बनाकर कीचड़ और नालों को पार करते हुए डिमरापाल अस्पताल तक ले जाना पड़ा था। गांव में अब तक सड़क, स्वास्थ्य सुविधा, बिजली, पेयजल और परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीणों की यह परेशानी नई नहीं कई बार मरीजों को इसी तरह कठिन रास्तों से अस्पताल पहुंचाना पड़ा है। गुड़ियापदर गांव को वर्ष 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कम्युनिटी फॉरेस्ट रिसोर्स एक्ट सीएफआरए के तहत कांगेर घाटी उद्यान क्षेत्र में रहने की अनुमति दी गई थी, लेकिन यहां गोंड समुदाय के लगभग 35 परिवार वर्ष 2002 से निवासरत हैं। सीएफआरए स्वीकृति के बावजूद अब तक उन्हें कोई बुनियादी सुविधा नहीं मिल पाई है। यह गांव नानगुर तहसील से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है। बीते वर्षों में मलेरिया जैसी बीमारियों से दो बच्चों की मौत भी हो चुकी है, फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

रिश्वत मांगने के आरोप में सहायक संचालक निलंबित

बलौदाबाजार। स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बलौदाबाजार में पदस्थ सहायक संचालक राकेश शर्मा को रिश्वत मांगने और सेवानिवृत्त कर्मचारी को प्रताड़ित करने के आरोपों पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सेवानिवृत्त व्याख्याता आर. सोमेश्वर राव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। आर. सोमेश्वर राव ने दिनांक 3 अक्टूबर को विभाग को एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था की सहायक संचालक राकेश शर्मा ने उनके पेंशन प्रकरण के निराकरण के एवज में उनसे रिश्वत की मांग की।

दो पक्षों में भिड़ंत, छह मजदूर घायल, नकदी व मोबाइल पर

बालोद । किसानों की खेत को लीज पर लेकर तरबूज की खेती करने वाले किसान के मजदूरो को कुछ लोगों ने मारपीट कर दिया तथा बैग मे रखे करीब 2 लाख रूपये व मोबाईल चोरी कर ले गया। जिसके बाद किसान ने मारपीट गाली गलौज व चोरी करने वाले लोगो के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है।

पखांजुर के पीबी के 13 नंबर श्याम नगर थाना पखांजुर जिला कांकेर निवासी सोमेन्द्र मण्डल ने पुलिस को बताया कि ग्राम जमरूवा (चिखली) थाना डौण्डी जिला बालोद में 6 किसानों के जमीन को तरबूज लगाने के लिए एक फसल के लिए गांव की अनुमती से लीज में लिया हूं। पास के गांव चिखली में पखांजुर के पीबी के 13 नंबर श्याम नगर थाना पखांजुर जिला कांकेर के सनिश मंडल, विश्वजीत दास के द्वारा भी किसानों के जमीन को तरबूज लगाने के लिए लीज मे लिया है।

मिर्जापुर के इन गांवों में दीपावली नहीं, शोक दिवस मनाता है चौहान समाज

एजेंसी ▶▶| मिर्जापुर

जहां एक ओर पूरा देश दीपावली के पर्व पर रोशनी, खुशियां और उत्साह में डूबा रहता है, वहीं उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जनपद में कुछ गांवों में इस दिन सन्नाटा और शोक का माहौल देखने को मिलता है। मड़िहान तहसील के राजगढ़ इलाके के अटारी गांव और उसके आसपास बसे मटिहानी, मिशुनपुर, लालपुर और खोराडीह जैसे गांवों में चौहान समाज के लोग दीपावली को शोक दिवस के रूप में मनाते हैं।

इन गांवों में चौहान समाज की लगभग 8 हजार की आबादी रहती है, जो सैकड़ों वर्षों से इस परंपरा को निभाती आ रही है। दीपावली के दिन जब पूरा देश दीप जलाकर उल्लास मनाता है, तब ये लोग अपने घरों में दीप नहीं जलाते, पटाखे नहीं फोड़ते और किसी प्रकार का उत्सव नहीं मनाते. उनके लिए यह दिन दुख और श्रद्धांजलि का होता है।

दीप नहीं जलाते, न ही पटाखे फोड़ते

परंपरा के पीछे एक ऐतिहासिक कथा जुड़ी

इस परंपरा के पीछे एक ऐतिहासिक कथा जुड़ी है। चौहान समाज के लोग स्वयं को अंतिम हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान का वंशज बताते हैं। उनका मानना है कि दीपावली के दिन ही मोहम्मद गोरी ने वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की हत्या की थी और उनके शव को गंधार (आज का अफगानिस्तान) ले जाकर दफनाया था। इसी कारण से चौहान समाज इस दिन को "शोक दिवस" के रूप में मनाता है।

पीढ़ी दर पीढ़ी यह परंपरा आज भी कायम

पीढ़ी दर पीढ़ी यह परंपरा आज भी कायम है, और चौहान समाज के लोग इसे अपनी अस्मिता और इतिहास की स्मृति का प्रतीक मानते हैं। अटारी गांव इस परंपरा का केंद्र माना जाता है, जहां हर साल दीपावली के दिन विशेष रूप से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाती है। ग्रामीण अपने पूर्वजों के शौर्य और बलिदान को याद करते हुए मौन रहते हैं।

जैकेट के शेष

रामचरित मानस की ....

और धार्मिक अवसरों पर राम की कथा को लाखों लोग उसे अपने घर, आसन और हृदय में स्थान देते हैं। गीता प्रेस ने दशकों से धार्मिक और संस्कृत साहित्य को आम लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया है। रामचरितमानस की प्रतियों की बिक्री लगातार बनी हुई है और इसकी मांग हर साल बढ़ती जा रही है। खासकर त्योहारों और धार्मिक अवसरों पर इसकी बिक्री में विशेष उछाल आता है।

श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की आरती : प्रबंधक लालमणि तिवारी कहते हैं कि गीता प्रेस गोरखपुर केवल एक प्रकाशन संस्था नहीं, बल्कि यह एक आध्यात्मिक साधना केंद्र की तरह कार्य करता है। यहां प्रत्येक पुस्तक की छपाई से पहले विधिवत पूजा-अर्चना की परंपरा है। श्रीरामचरितमानस, गीता या अन्य धार्मिक ग्रंथों के मुद्रण से पहले श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की आरती की जाती है। मुद्रण विभाग में काम करने वाले कर्मचारी भी इसे एक "सेवा" मानते हैं, व्यवसाय नहीं। प्रेस के भीतर अत्यंत स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखी जाती है। मशीनें चालू करने से पहले दीप प्रज्वलित किया जाता है, और पुस्तकों के मुद्रण के बाद उनका विमोचन किसी न किसी धार्मिक अनुष्ठान या सत्संग में किया जाता है।

15 भाषाओं में प्रकाशित ....

पहुंचाने में भी मदद करती है। रामचरित मानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, यह जीवन मूल्यों की स्थापना करती है। यही वजह है कि दुनियाभर में इस पर अनुसंधान होता है। गीता प्रेस सिर्फ प्रकाशन का केंद्र नहीं है, बल्कि यह अनुसंधान और अध्ययन के लिए भी जाना जाता है। देश और विदेश के शोधकर्ता और विद्वान यहां आते हैं ताकि वे श्रीराम और रामचरितमानस के साहित्यिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं का गहन अध्ययन कर सकें। गीता प्रेस में उपलब्ध साहित्य और पांडुलिपियां शोधकर्ताओं के लिए अमूल्य संसाधन हैं।

शोध, साधना और ....

पुस्तक पैकिंग और वितरण विभाग में कार्यरत होते हैं, वे पुस्तकों को अत्यंत श्रद्धा के साथ रखते हैं, मानो वे स्वयं श्रीराम के वचन हों। यह अनुशासन ही गीता प्रेस की पहचान बन चुका है।

मलेशियन भाषा मलय ....

जाती हैं। मैं कुआलालंपुर स्थित कृष्णन राम मंदिर जैसे मंदिर ब्रिकफील्ड्स में अक्सर रामायण पाठ सत्र और राम अष्टमी प्रदर्शन में शामिल हुआ हूं और इन्हीं को आधार बनाकर मेरी बनी टीम श्रीराम की गाथा को नृत्य नाटिका में पिरोकर प्रस्तुत करती है।

रामायण का खमेर ....

राम पर आधारित अपनी प्रस्तुति केवल अपने देश वियतनाम में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में दे चुके हैं।

राम कथा को एक ...

ईश्वरीय शक्ति का ही प्रतीक नहीं है बल्कि बुराई पर अच्छाई के प्रतीक के रुप में उन्हें पूजा जाता है और बुराई तो हर जगह व्याप्त है इसलिए राम कथा को केवल भारत तक ही सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि एक प्रकार से राम को किसी एक देश या भाषा में सीमित करके नहीं रखा जा सकता, यह विषय नैतिक शिक्षा के रुप में भी सभी का पथ प्रदर्शन करती है तो वहीं हर एक युग में बुराई पर अच्छाई की विजय के उत्सव के रुप में दीपावली पर्व मनाया जाता है, जिसे हम कहते है अंत में सद्गुण की विजया।

घाटी में बर्फबारी से उत्तर भारत में मौसम हुआ ठंडा, दक्षिण भारत में बारिश का अलर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर भारत से मानसून 2025 अब पूरी तरह विदा हो चुका है। इस वीकेंड मौसम में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी और हल्की बारिश के कारण उत्तर भारत का मौसम ठंडक भरा हो गया है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह के समय धुंध का असर दिखने लगा है। दोपहर में धूप और शाम को हल्की ठंड महसूस की जा रही है. मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में भी मौसम का यही मिजाज रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम हल्की ठंड बनी रहेगी, जबकि दिन के समय तेज धूप लोगों को परेशान कर सकती है। वहीं, दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। 20 अक्टूबर तक बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, कुछ इलाकों में हल्के बादल छा सकते हैं। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आएगी, जिससे रातें ठंडी महसूस होंगी।

मध्य प्रदेश में हल्की बारिश का अलर्ट

मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में 21 अक्टूबर को मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इंदौर में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है, जिससे ठंडक बढ़ी है। आईएमडी के अनुसार, दिवाली तक राज्य में तापमान और नीचे जा सकता है।

दक्षिण भारत में भारी बारिश का अलर्ट : स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 20 से 25 अक्टूबर के बीच बारिश हो सकती है। मराठवाड़ा क्षेत्र में 21 अक्टूबर को तूफानी बारिश की आशंका है।

छग सहित इन राज्यों में छाए रहेंगे बादल

छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में हल्के बादल छा सकते हैं, हालांकि बारिश की संभावना नहीं है। इन इलाकों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। इन राज्यों में हल्का कोहरा और धुंध छाई रहेगी। इससे सुबह के समय ठंडक का असर बढ़ेगा।

दिल्ली-एनसीआर में छाएगी हल्की धुंध

दिल्ली और आसपास के इलाकों में शुक्रवार 17 अक्टूबर को सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा, जब न्यूनतम तापमान करीब 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, आज से चार दिन सुबह और शाम हल्की ठंड के साथ धुंध छाई रहेगी। 20 से 27 अक्टूबर के बीच दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़ने की संभावना है। इस दौरान हवा की दिशा उत्तर-पूर्वी होगी, जिससे प्रदूषण का स्तर भी बढ़ सकता है।

प्रथम पेज के शेष

अयोध्या में 26 लाख...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के लिए प्रमाण पत्र ग्रहण किया। अयोध्या में पहले में राम की पैड़ी के घाटों पर 26 लाख 17 हजार 217 दीपक जलाए गए। ड्रोन से दीपों की गणना के बाद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से स्वप्निल दंगारीकर व कंसल्टेंट निश्चल बरोट ने नए कीर्तिमान की घोषणा की। यह लगातार नौवीं बार विश्व रिकॉर्ड बना है। सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित अन्य इस अद्भुत व अविस्मरणीय क्षण के साक्षी बने। दीपोत्सव के इस दुर्लभ दृश्य को देखने के लिए देश के कोने-कोने से लोग उमड़े। बड़ी संख्या में लोग यहां मौजूद रहे। दीपोत्सव के बाद यहां भव्य आतिशबाजी और ड्रोन शो हुआ।

वर्ष 1954 पश्चात इस साल...

योग बने हैं। इससे पहले वर्ष 1954 में दीपावली के मौके पर ग्रहों का ऐसा संयोग बना था। इस बार गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में गोचर करेंगे जिससे हंस राजयोग प्रभाव में आएगा। गुरु का यह संयोग बेहद शुभ माना जाता है और यह योग व्यक्ति के जीवन में वैभव, बुद्धि, सम्मान और समृद्धि लाने वाला होता है। दिवाली जैसे पावन पर्व पर इस राजयोग का बनना इस दिन की धार्मिक और ज्योतिषीय महत्ता को और अधिक बढ़ा देता है। वहीं, सूर्य और बुध की युति तुला राशि में होने से बुधादित्य राजयोग बनेगा। इसके अलावा सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ-साथ कलानिधि योग का संयोग भी रहने वाला है।गौरतलब है कि इस बार अमावस्या तिथि दो दिनों तक रहेगी। इस वर्ष कार्तिक अमावस्या की तिथि 20 अक्टूबर दोपहर तीन बजकर 44 मिनट से प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 21 अक्टूबर को शाम पांच बजकर 54 मिनट पर है। दिवाली पर लक्ष्मी पूजन सूर्यास्त के बाद किया जाता है, इसलिए इस साल दिवाली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन शाम 7 बजकर 8 मिनट से रात 8 बजकर 18 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त रहेगा। बही-खाते की पूजा भी इसी दौरान की जाएगी।

लमगांव हनुमान मंदिर...

हनुमान जी प्रकट होने का सन्देश देकर उनकी सेवा करने लगे। संत त्रिवेणी दास की भक्ति एवं समर्पण देख बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचने लगे। इधर प्राकृतिक रूप से प्रकट हुए हनुमान जी की आकृति बढ़ते देख श्रद्धालुओं का मेला लगने लगा। इस बीच त्रिवेणी दास से मिलने उनके शिष्य शंकर दास पहुंचे तो बाबा ने उन्हें हनुमान जी की सेवा करने का हवाला देकर रोक लिया। गुरु- शिष्य दोनों स्वयं प्रकट हनुमान जी की सेवा करने लगे। इधर श्रद्धालु मंदिर बनाने का दबाव बनाने लगे। पहले तो बाबा खुले आसमान के नीचे ही रहते थे लेकिन श्रद्धालुओं ने पास में ही कुटिया बना दी। गुरु-शिष्य उसी कुटिया में निवास करते थे। इस बीच त्रिवेणी दास अपने शिष्य शंकर दास को पूजा-आरती की जिम्मेदारी सौंप भ्रमण पर निकल गए। इधर श्रद्धालुओं ने मंदिर बनाना प्रारंभ कर दिया। पहले हनुमान मन्दिर फिर राम मंदिर और बाद में भव्य शिव मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर में हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते है लेकिन मंगलवार एवं शनिवार को पूजा करने भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर समिति के वरिष्ठ सदस्य बसंत सिंह बताते हैं कि संत त्रिवेणी दास एवं महंत शंकर दास के प्रति क्षेत्रवासियों की अगाध श्रद्धा है। उनके तप एवं लोगों की श्रद्धा का ही परिणाम है आज विशाल मंदिर के साथ विभिन्न प्रकल्पों का अनवरत संचालन हो रहा है।

ट्रंप के खिलाफ हल्ला बोल...

देशभर में गहरे विरोध को जन्म दे दिया है। शामिल मुद्दों में गर्भपात के अधिकारों पर प्रतिबंध, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ की गई नीतियां, और सामाजिक असमानताओं में वृद्धि भी प्रमुख हैं। न्यायपालिका में ट्रंप द्वारा नियुक्त किए गए न्यायधीशों के फैसलों और संघीय पुलिस के कुछ आक्रामक कदमों के विरोध में कई संगठनों ने मिलकर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। एक ओर जहां प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ट्रंप के शासन में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला हो रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन ने इन विरोधों को "राजनीतिक साजिश" और "सामाजिक असंतोष फैलाने की कोशिश" के रूप में प्रस्तुत किया। इसे 'नो किंग्स प्रोटेस्ट' नाम दिया गया है। यानि अब ट्रंप की तानाशाही नहीं चलेगी का नारा लगाया जा रहा है।

विशाल चट्टान से ...

का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के अनुसार रेलवे प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और दोपहर तक मलबा हटाने का कार्य जारी रहा। पूर्व तट रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि हादसे में किसी यात्री की जान नहीं गई। फिलहाल,किरंदुल-विशाखापत्तनम रेल सेक्शन पर ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह ठप है।

हाईकोर्ट का आदेश

सांसद नदवी चौथी पत्नी को हर महीने देंगे गुजारा भत्ता

एजेंसी ▶▶| रामपुर

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से सांसद मोहिबुल्ला नदवी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। उनकी चौथी पत्नी रुमाना परवीन के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सांसद को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले से रुमाना परवीन को बड़ी राहत मिली है। रुमाना परवीन ने बातचीत में सांसद नदवी पर कई गंभीर आरोप लगाए। शादी के तीन साल बाद ही उन्हें घर से निकाल दिया गया और रिश्ते को झूठे दस्तावेज़ों के सहारे खत्म करने की कोशिश की गई। रुमाना परवीन इन दिनों आगरा में रह रही हैं और गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। उन्होंने कहा कि नदवी ने उनसे कभी खुलकर बात नहीं की और महीनों तक घर बंद रखकर गायब रहते थे। उधर, सांसद मोहिबुल्ला नदवी की ओर से अब तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फिलहाल वे राजनीतिक और पारिवारिक दोनों मोर्चों पर मुश्किलों में घिरे हैं। एक ओर रामपुर में आजम खान से उनकी खुली अदावत चल रही है, वहीं अब चौथी पत्नी के खुलासों ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है।

ये हैं हालात

रुमाना ने बताया कि 23 अक्टूबर 2012 को उनकी शादी मोहिबुल्ला नदवी से हुई थी, लेकिन शादी के कुछ साल बाद ही हालात बिगड़ने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि नदवी ने उनसे अपनी तीन पुरानी शादियों की सच्चाई छिपाई, और बाद में उन्हें व उनके छोटे बेटे को घर से बाहर निकाल दिया।

C/PDCL कार्यपालन अभियंता (नगर) संभाग, दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

दीपावली पर्व हेतु विशेष शिकायत निवारण केन्द्र आवश्यक सूचना

दीपावली के शुभ अवसर पर दुर्ग शहर के समस्त उपभोक्ताओ का हार्दिक अभिनंदन करते हुए सूचित किया जाता है कि, उपभोक्ताओ की विद्युत शिकायतों का निराकरण करने हेतु छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., नगर संभाग, दुर्ग द्वारा दिनांक 20.10.2025 को सायं 4.00 बजे से मध्य रात्रि 12.00 बजे तक अतिरिक्त शिकायत केन्द्र स्थापित किये गये है। सम्माननीय उपभोक्तागण अपने संबंधित क्षेत्र के शिकायत केन्द्र में शिकायत दर्ज करवाकर शीघ्र निराकरण करवा सकते है। नियमित शिकायत केन्द्र यथावत रहेंगे।

सम्माननीय उपभोक्ताओं से निवेदन है कि विद्युत सुरक्षा को सर्वोपरि प्राथमिकता देवें व मीटर पर निर्धारित भार से अतिरिक्त विद्युत कनेक्शन न बढ़ाये । इसके लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई कनेक्शन लिये जाने का प्रावधान है। आपकी सुविधा के लिए शिकायत केन्द्रों की सूची एवं दूरभाष क्रमांक निम्नानुसार है-

क्र.	शिकायत केन्द्र का नाम	टेलीफोन नं.	संबंधित क्षेत्र
1	दुर्ग शहर जोन शिकायत केन्द्र	0788-221165, 62329-43276, 62329-45054 62329-43369 74158-61738	महावीर कालोनी खण्डेलवाल कालोनी मिल पारा, ढीमर पारा, बांस पारा, पचरी पारा, न्यू बस स्टैंड, पुराना बस स्टैड, ऋषभ नगर, ऋषभ प्राइम, गंजपारा, आपापुरा, शनिचरी बाजार, हटरी बाजार, इंदिरा मार्केट, मोती पारा, शिक्षक नगर, गांधी चौक, जवाहर नगर, मैथिल पारा, ब्राम्हण पारा, बरई पारा, लुचकी पारा, तकिया पारा
2	दुर्ग शहर जोन (सिविल लाईन) शिकायत केन्द्र	0788-2320812, 62329-45055 62329-43276, 62329-43369, 74158-61738	सिविल लाईन, पांच बिल्डिंग, मालवीय नगर, दीपक नगर, रायपुर नाका, प्रोफेसर कालोनी, आमटी वार्ड, जी.ई रोड सिविल लाईन, स्टेडियम, उत्कल कालोनी, बडी सिविल लाईन, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी। आमदी मंदिर वार्ड, संतरा बाडी, पाटणकर कालोनी, सिंधी कालोनी, पोलसाय पारा, बांस पारा, स्टेशन रोड, ग्रीन चौक आदि। पोलसायपारा, स्टेशन रोड, सिंधी कालोनी
3	बोरसी जोन शिकायत केन्द्र	0788-2340517, 62329-45052 62329-45053, 87189-38882, 70162-33988, 79749-04634	बोरसी हाऊसिंग बोर्ड, बोरसी भाटा, बोरसी गांव, बिम्लेश्वरी कालोनी, पंचशील सेक्टर 1, 2, विद्युत नगर, विराट नगर, प्रदीप्ति नगर, बोरसी चौक। गणपति विहार, मीनाक्षी नगर, पोटिया कला, पोटिया बस्ती, न्यू आदर्श नगर, चोपड़ा 4 पोल ।
4	बोरसी जोन (पद्मनाभपुर) शिकायत केन्द्र	0788-2322816 87189-38882, 70162-33988 79749-04634	पद्मनाभपुर, आनंद नगर, उतई रोड, पुलिस लाईन, मुक्त नगर, छोटी सिविल लाईन, महाराजा चौक । सांई मंदिर, सुभाष नगर, कसारीडीह, ओल्ड आदर्श नगर, मितान चौक, ऋषभ साउथ सिटी, पोटिया चौक, इंदिरा चौक, साहू सदन, ईरानी डेरा, केलाबाड़ी, इंदिरा नगर, कुंदरा पारा एवं आसपास का क्षेत्र।
5	बघेरा जोन शिकायत केन्द्र	98270-26192, 62329-45051 62329-43277, 62329-43343 92329-43648	पंचशील नगर नया पारा, सरस्वती नगर, बजरंग नगर, उरला, बघेरा बस्ती, शंकर नगर, राजीव नगर, गया नगर, रामनगर। पुलगांव चौक, बस्ती, महेश कालोनी, ऋषभ ग्रीन सिटी, फुर्सत बार नदी रोड वृंदावन रेस्टारेंट।
6	जवाहर नगर जोन शिकायत केन्द्र	62329-45056, 0788-2216198 62329-43280, 62329-43368 62329-43367	जवाहर नगर, शक्ति नगर, शन्ति नगर, सिकोला भाटा, आदित्य नगर, औद्योगिक नगर, शिवाजी नगर, हनुमान नगर, सिंधिया नगर, करहीडीह, कादम्बरी नगर, हरि नगर, कैलाश नगर। चिखली रोड, जयंती नगर, प्रेम नगर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, कर्मचारी नगर, करहीडीह, IHSDP कॉलोनी, कर्मचारी नगर । तितुरडीह, कातुल बोर्ड, नरसिंह विहार, एस. ए. एफ लाईन, स्टील कालोनी, एस. ए. एफ. बटालियन, प्रोफेसर कालोनी। संतरा बाड़ी, शंकर नगर, आर्य नगर, विजय नगर, गजानंद नगर, गायंत्री मंदिर वार्ड।

नोट:- विद्युत अवरोध की शिकायत केन्द्रीयकृत उपभोक्ता शिकायत केन्द्र के टोल फ्री नम्बर 1912 मे भी कराई जा सकती है।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

(रवि कुमार दानी)
कार्यपालन अभियंता (नगर संभाग)
छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमि. दुर्ग

S-45641/2

पेज एक के शेष

नक्सलियों से जब्त ....

उसी आधार पर उसे नीति के तहत लाभान्वित करने का प्रावधान है। नक्सलियों के पास आमतौर पर पुलिस से लूटे या छीने गए हथियार ही होते हैं।

टिकट नहीं मिलने ....

पर तेजी से वायरल हो गया है। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं। वैसे-वैसे सियासी घटनाएं और बयानबाजियां बढ़ती जा रही हैं। इतना ही नहीं कई सीटों पर तो तनातनी भी देखने को मिल रही है। टिकट बंटवारे को लेकर मचा बवाल अब खुलकर सड़कों पर आ गया है। मधुबन विधानसभा से राजद के पूर्व प्रत्याशी मदन शाह का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में राजद के पूर्व प्रत्याशी मदन शाह लालू प्रसाद यादव के घर के सामने फूट-फूटकर रो रहे हैं। उन्होंने अपना कुर्ता तक फाड़ लिया है। साह ने पत्रकारों से कहा, मैं लंबे समय से पार्टी से जुड़ा हूं। 2020 में मैंने इसी सीट से चुनाव लड़ा था और बहुत कम अंतर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार से हार गया था। इस बार टिकट मिलने का पूरा भरोसा था। मुझसे कहा गया कि 2.70 करोड़ रुपये दो। मैंने अपने बच्चों की शादी तक टाल दी और रुपयों की व्यवस्था की। अब मैं पूरी तरह बर्बाद हो गया हूं। कम से कम मेरे रुपये तो लौटा दें। राजद नेताओं ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है कि पार्टी के किसी पदाधिकारी ने उनसे टिकट के बदले रुपये मांगे थे। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मधुबन सीट पर राजद स्वयं उम्मीदवार उतारेगा या यह सीट गठबंधन के किसी सहयोगी दल को सौंपी जाएगी। विपक्षी गठबंधन में शामिल राजद अब तक विभिन्न सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। खास बात है कि कई सीटें तो ऐसी हैं, जहां उसने अपने सहयोगी दलों के उम्मीदवार के खिलाफ ही प्रत्याशी उतार दिए हैं जिसको लेकर गहमा-गहमी मची हुई है। बता दें कि बिहार चुनाव के पहले फेज की वोटिंग में सिर्फ 19 दिन बाकी हैं। 20 अक्टूबर को पहले फेज के चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है, लेकिन महागठबंधन में अब तक सीट शेयरिंग को लेकर साझा बयान नहीं आया।

राशिफल

मेष: वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष: धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन: माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क: आत्मवशि्वास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शक्षिा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या: स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवशि्वास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला: वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक: शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु: कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवशि्वास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर: कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ: कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Aatal Nagar Dist. Raipur- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400..
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following work:

NIT No: 72/MD-Painting work/EEC-I/CE/NRANVP/2025-26,
Nava Raipur Atal Nagar Dated: 17/10/2025

Name of Work: "Painting work of Internal common areas and External Walls of Mantralaya, Indrawati and Various buildings in the Capital Complex at Sector 19, Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur (C.G.)" (1st Call)

Estimated cost: **INR 3.63 Crores,** EMD: **INR 3.70 Lakh,** Period of Completion: **06 Months (including rainy season)**

Last Time & Date of Online Submission: 15:00 hrs on 10/11/2025

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

S-45668/1

Chief Engineer
NRANVP

आम सूचना

(ग्राम कौंवाझर, प.ह.न.-07, रा.नि.म.-सिरपुर, तहसील व जिला महासमुद (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नम्बर 26, 27, 262 व 36/1 रकबा 1.5000, 1.8100, 0.4100 व 0.0400 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 8 रकबा 2.5500 हे. के संबंध में)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण श्री तोषण कुमार पिता चोवालाल, जाति कुर्मी एवं डेविड कुमार पिता चोवालाल कुर्मी निवासी ग्राम कौंवाझर, प.ह.न.-07, रा.नि.म.-सिरपुर, तहसील व जिला महासमुद (छ.ग.) के हक, स्वामित्व एवं अधिपत्य की कौंवाझर, प.ह.न.-07, रा.नि.म.-सिरपुर, तहसील व जिला महासमुद (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नम्बर 26, 27, 262 व 36/1 रकबा 1.5000, 1.8100 0.4100 व 0.0400 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 8 रकबा 2.5500 हे., को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है, बयनामा का निष्पादन एवं पंजीयन किया जाना शेष है। यह कि उपरोक्त क्रय विक्रय पर यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, बोर्ड, प्राधिकरण निगम, बीमा, केन्द्र शासन, राज्य शासन, साहूकार आदि को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस सूचना प्रकाशन से 07 दिनों के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें। समाचार पत्र मे प्रकाशन के माध्यम से की गई आपत्ति/खंडन स्वीकार योग्य नही होगी। निर्धारित समयावधि पश्चात विक्रयपत्र की पंजीयन का निष्पादन करा ली जावेगी, बाद मियाद प्राप्त आपत्ति झूठी एवं नाजायज करार दी जावेगी तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी। सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 19.10.2025

भवदीय
मनीष यादव (अधिवक्ता)
कार्यालय व्ही.के. मुंशी एवं एसोसिएट्स
पुरोहितबाड़ा, बूढ़ापारा, रायपुर (छ.ग.).
मो.नं.-98933 94077

शब्द पहेली - 6024

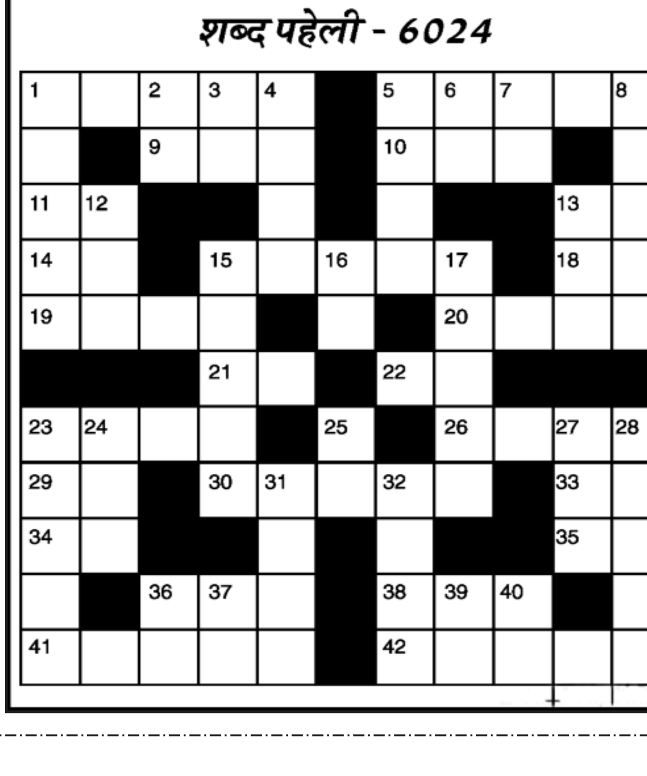

बाएँसेदाए±
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक. चिताकर्षक-5
2. वैक्स, मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चहा-2
39. याचिका, वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली -6023 का हल

का	ज	■	आ	ग	■	सा	थ	■	सु	रा
ल	■	ता	ना	■	आ	स	■	ख	ब	र
■	ली	ला	■	सा	या	■	क	ल	ह	■
म	न	■	रा	त	■	र	म	ल	■	वि
स्ती	■	फि	जा	■	अ	ग	ला	■	सा	दा
■	शू	र	■	की	च	ड़	■	ता	र	■
कु	ल	■	अ	म	ल	■	ख	त	■	मी
ली	■	ग	ल	त	■	प	ता	■	जा	न
■	दो	ज	ख	■	क	ल	■	ता	ल	■
घा	य	ल	■	दा	म	■	उ	प्र	■	मो
त	म	■	प	ग	■	कृ	ष्ण	■	क	र

सूडोकु नवताल- 6034

★★★☆☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6033 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

सभी देशवासियों को

दीपावली

की हार्दिक शुभकामनाएँ

“ रोशनी का पवित्र पर्व दीवाली हमें याद दिलाता है कि प्रकाश हमेशा अंधकार पर विजय प्राप्त करता है और अच्छाई हमेशा बुराई पर जीत हासिल करती है। आइए, हम सभी अपने दिलों और घरों में प्रेम, भाईचारे और खुशहाली के दीप जलाएँ। दीवाली की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। ”

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

स. भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोकने के लिए रोबोटिक खच्चरों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये रोबोटिक खच्चर निगरानी और रसद बढ़ाने में मदद करते हैं, जिनमें लगे सेंसर और कैमरे दुश्मन का पता लगाने में सक्षम हैं। सेना अगली पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों का उपयोग कर रही है।

रोबोटिक खच्चरों में सेंसर और कैमरे लगे होते हैं जिससे खतरों का पहले ही हो जाता है आभास

अब पाकिस्तानी आतंकियों को घुसपैठ करना पड़ेगा भारी 'रोबोटिक खच्चर' के एक इशारे पर सेना कर देगी ढेर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अब पाकिस्तानी आतंकियों को छिपकर घुसपैठ करना भारी पड़ेगा। दरअसल, भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर निगरानी और रसद बढ़ाने के लिए रोबोटिक खच्चरों या मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट (एमयूएलई) का उपयोग करना शुरू कर दिया है। जिसके एक इशारे पर सेना पाकिस्तानी दुश्मन को सेकेंड भर में ढेर कर देगी। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे रोबोटिक खच्चर, सेना द्वारा शुरू किए गए कई नवाचारों में से एक हैं।

हम अगली पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन रोबोटिक खच्चरों को गश्त के लिए तैनात किया जाता है। इनमें लगे कैमरों की वजह से हम खतरे का पहले ही पता लगा सकते हैं। रोबोटिक खच्चरों में सेंसर और कैमरे लगे होते हैं। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इनका इस्तेमाल किया था

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इनका इस्तेमाल किया था

कंप्यूटर, बैटरी से लेकर ये उपकरण लगे होते हैं

इसमें एक कंप्यूटर, बैटरी, आगे और पीछे के सेंसर और गतिशीलता के लिए पैर होते हैं। भारतीय सेना को कथित तौर पर जून 2024 में इनमें से 100 रोबोटिक खच्चर मिले थे। इन सभी इलाकों में चलने वाले रोबोट का उद्देश्य विविध वातावरण में सैनिकों की दक्षता और सुरक्षा में सुधार करना है। वे सीढ़ियों, खड़ी ढलानों और मलबे से भरे क्षेत्रों में चल सकते हैं।

एयरोआर्क कंपनी ने किया है निर्माण

आर्क वेंचर्स (एआरसीवी) की नई दिल्ली स्थित सहायक कंपनी एयरोआर्क द्वारा विकसित एआरसीवी म्यूले को विभिन्न कार्यों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें परिधि सुरक्षा, संपत्ति की सुरक्षा, खतरनाक सामग्री (सीबीआरएनई), बम निरोधक और खुफिया जानकारी एकत्र करना शामिल है। रोबोटिक खच्चर, जिसे मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट (एमयूएलई) के रूप में भी जाना जाता है, को दूर से नियंत्रित या स्वायत्त रूप से संचालित किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

मोदी 24 को समस्तीपुर से करेंगे चुनावी अभियान की शुरुआत

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री इस महीने के अंत तक चार चुनावी सभाएं करेंगे। मोदी 24 अक्टूबर को समस्तीपुर में अपनी पहली रैली के साथ चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद उसी दिन वह बेगूसराय में दूसरी सभा को संबोधित करेंगे। जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को फिर से बिहार आएंगे और मुजफ्फरपुर तथा छपरा में चुनावी सभाएं करेंगे।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना जब्त दो सफाई कर्मी गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व आसूचना निदेशालय ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो सफाई कर्मचारियों को 1.6 करोड़ रुपये मूल्य के विदेशी सोने की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि तस्करी गिरोह ने विमान में सोना छिपाने के लिए विदेशी यात्रियों का इस्तेमाल किया था। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी एक हवाई अड्डा सेवा कंपनी के कर्मचारी हैं। दोनों के पास से कुल 24 कैरेट शुद्धता वाला 1.2 किलोग्राम सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.6 करोड़ रुपये है।

मणिपुर में सशस्त्र महिला उग्रवादी सहित 3 गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन की एक महिला सदस्य और दो अन्य को जबरन वसूली में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सुरक्षा बलों ने पीडब्ल्यूजी) की एक सक्रिय कार्यकर्ता मीकम बसंतरानी देवी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला उग्रवादी जबरन वसूली के अलावा ऋण वसूली और भूमि विवादों के मामलों में धमकी देकर पक्षों के बीच मध्यस्थता कराने में भी शामिल थी। इंफाल से ही उसके साथ रहने वाले मोहम्मद अनीश इकबाल और मोहम्मद आमिर रहमान को भी गिरफ्तार किया गया।

कई जगह आरजेडी व कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने, महागठबंधन में घमासान तेज

कांग्रेस की राजद से दो टूक- अपने प्रत्याशी वापस लो या फिर विरोध में चुनाव लड़ो

विपक्षी गठबंधन में इस समय सीटों के बंटवारे को लेकर जमकर हंगामा मचा हुआ है। महागठबंधन में शामिल राजद सहित सभी दल अब तक विभिन्न सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुके हैं। खास बात है कि कई सीटें तो ऐसी हैं, जहां उसने अपने सहयोगी दलों के उम्मीदवार के खिलाफ ही प्रत्याशी उतार दिए हैं जिसको लेकर गहमा-गहमी मची हुई है।

एजेंसी ▶▶| पटना

सीट शेयरिंग पर चल रही सियासत के बीच कांग्रेस ने राजद को साफ-साफ कह दिया है कि जिन कुछ सीटों पर कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं वहां से राजद अपने प्रत्याशी वापस ले या फिर कांग्रेस के विरोध में लड़ने तैयार रहे। बता दें कि बिहार चुनाव के पहले फेज की वोटिंग में सिर्फ 19 दिन बाकी हैं। आज 20 अक्टूबर को पहले फेज के चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है, लेकिन महागठबंधन में अब तक सीट शेयरिंग को लेकर साझा बयान नहीं आया।

आरजेडी और कांग्रेस के बीच की यह खींचतान सिर्फ सीट बंटवारे तक सीमित नहीं, बल्कि यह नेतृत्व और भरोसे की परीक्षा बन चुकी है। सवाल यह है कि क्या यह गठबंधन चुनाव से पहले खुद को एकजुट रख पाएगा-या फिर यह 'महागठबंधन' एक बार फिर महाविवाद बनकर रह जाएगा। इस परिस्थिति पर राजनीति के जानकार मानते हैं कि अगर यही स्थिति जारी रही तो एनडीए के लिए यह 'विपक्षी बिखराव' सबसे बड़ा वरदान साबित हो सकता है।

राज्य कांग्रेस को हाईकमान का समर्थन

इस बीच एक महत्वपूर्ण जानकारी यह सामने आई है कि कांग्रेस आलाकमान भी बिहार कांग्रेस इकाई पर कोई दबाव नहीं बना रहा है। आरजेडी के रवैये से नाखुश बिहार कांग्रेस नेताओं ने सारी परिस्थितियों से राहुल गांधी को अवगत करा दिया है, और राहुल गांधी ने बिहार के कांग्रेस नेताओं का समर्थन किया है। एक बड़े कांग्रेस नेता ने बताया कि यह पहला मौका है जब कांग्रेस आलाकमान दिल्ली से हस्तक्षेप करने और प्रदेश कांग्रेस के नेताओं पर दबाव नहीं बना रहा है।

कांग्रेस बोली- आरजेडी को अपने प्रत्याशी हटाना चाहिए

कांग्रेस के नेताओं ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है कि वे पीछे हटने के मूड में नहीं हैं। अब कांग्रेस ने गेंद आरजेडी के पाले में डाल दी है। कांग्रेस नेताओं का साफ कहना है कि आरजेडी को फैसला लेना है कि क्या वे अपने उम्मीदवारों का नामांकन वापस लेंगे, या फिर दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजद व कांग्रेस के बीच बातचीत भी बंद हो गई है।

एनडीए की सभी सीटों में बनी सहमति

इधर, एनडीए में सीट शेयरिंग हो चुकी है। सभी पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवार भी उतार दिए हैं, लेकिन सीएम फेस को लेकर चर्चा है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा- हमारा 5 दल का गठबंधन है, जितने विधायक जीतकर आएंगे स्वयं अपना नेता चुनेंगे। इससे पहले 17 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था की नीतीश कुमार पर न सिर्फ भाजपा, बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। एनडीए की जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला विधायक दल करेगा।

जेएमएम ने भी छोड़ा साथ, बढ़ी मुश्किलें

महागठबंधन में दरार सिर्फ आरजेडी और कांग्रेस तक ही सीमित नहीं है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी महागठबंधन का साथ छोड़ दिया है। जेएमएम ने घोषणा की है कि वह बिहार की 6 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जेएमएम का नाता तोड़ना और कांग्रेस का कड़ा रुख अपनाना यह साफ संकेत देता है कि बिहार में महागठबंधन में दरार गहरी हो गई है, जिसका सीधा फायदा एनडीए को मिल सकता है। बिहार महागठबंधन की यह फूट चुनावी मोर्चे पर विपक्ष की एकजुटता को कमजोर कर रही है। भाकपा-माले और सीपीआई जैसे सहयोगी दल भी कई सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुके हैं, जिससे तालमेल की कोई वास्तविकता नहीं बची है। दरअसल, आरजेडी का मानना है कि कांग्रेस का विनिंग रिकॉर्ड कमजोर है, इसलिए ज्यादा सीटें देना जोखिम भरा है, वहीं कांग्रेस बिहार में अपनी जड़ें मजबूत करने को बेताब है।

भीतर ही भीतर उलझकर रह गया है महागठबंधन

इस बीच कांग्रेस के राज्य नेतृत्व ने अब स्थिति की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि पार्टी केंद्रीय नेतृत्व से हस्तक्षेप की मांग कर सकती है लेकिन मौजूदा हालात में यह तय है कि पहले चरण के मतदान से पहले गठबंधन में मतभेद और उभर कर सामने आएंगे। स्पष्ट है कि बिहार में महागठबंधन फिलहाल अपने ही भीतर उलझा हुआ है।

गिरिराज बोले- नहीं चाहिए 'नमक हरामों' के वोट, कांग्रेस बोली- दिमाग खराब है उनका

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं। इस दौरान नेता बयानबाजी भी कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने मुस्लिम समुदाय को लेकर विवादित बयान देकर सियासत में गर्माहट ला दी। उन्होंने एक मौलवी का उदाहरण देते हुए उन्हें वोट न दिए जाने पर कहा था कि उन्हें नमक हरामों के वोट नहीं चाहिए। इसके बाद कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल उन पर हमलावर हो गए हैं।

हमें ऐसे नमक हरामों के वोट नहीं चाहिए- गिरिराज : गिरिराज सिंह ने आगे कहा, मैंने पूछा कि क्या नरेंद्र मोदी ने आपको गाली दी? उन्होंने कहा- नहीं। मैंने पूछा कि क्या मैंने आपको अपमानित किया? उन्होंने कहा- नहीं। इस पर मैंने कहा कि तो फिर मेरी गलती क्या थी? उन्होंने कहा, जो लोग उपकार को नहीं मानते, उन्हें 'नमक हराम' कहते हैं। मैंने मौलवी साहब से साफ कहा कि हमें ऐसे नमक हरामों के वोट नहीं चाहिए। उनके इस बयान पर हंगामा खड़ा हो गया है।

गिरिराज सिंह ने क्या दिया था बयान

गिरिराज सिंह ने एक रैली में एक मौलवी के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, मैंने मौलवी साहब से पूछा कि क्या उन्हें आयुष्मान कार्ड मिला? उन्होंने कहा- हां। मैंने पूछा कि क्या इसमें हिंदू-मुस्लिम का भेदभाव हुआ? उन्होंने कहा- नहीं। फिर मैंने पूछा कि क्या आपने मुझे वोट दिया? उन्होंने हां कहा, लेकिन जब मैंने खुदा की कसम खाने को कहा तो वो चुप हो गए। इसके बाद गिरिराज ने तीखा बयान दे दिया।

कांग्रेस ने बोला गिरिराज के बयान पर हमला

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने गिरिराज के बयान पर कहा, उनका (गिरिराज सिंह) दिमाग खराब हो गया है। हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने, मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढ़ने और पाकिस्तान को वीजा जारी करने के अलावा उनके पास और कोई काम नहीं है। केंद्र सरकार को उन्हें मानसिक रूप से अस्वस्थ घोषित कर देना चाहिए। क्योंकि वह अपने मंत्रालय के लिए कोई काम नहीं करते है। वह सिर्फ सांप्रदायिक राजनीति करना और देश को बांटना चाहते हैं।

'जुबिन मौत मामले में सीएम के करीबियों को बचा रही एसआईटी'

असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई का आरोप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार को आरोप लगाया कि सिंगापुर में प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच सही दिशा में नहीं जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में विशेष जांच दल का गठन सच्चाई सामने लाने के बजाय कुछ लोगों को बचाने के लिए किया है। गोगोई ने दावा किया कि एसआईटी का गठन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के करीबी श्यामकानू महंता और सिद्धार्थ शर्मा को बचाने के लिए किया गया है, जो इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने

कहा, 'सरकार की जिम्मेदारी है कि इन दोनों से जुड़ी सारी जानकारी सार्वजनिक करे लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है।

गोगोई ने कहा, 'जुबिन गर्ग असम की आवाज थे, जिन्होंने अपनी संस्कृति और लोगों के लिए हमेशा आवाज उठाई। उनकी अनुपस्थिति में असम खुद को अधूरा महसूस कर रहा है।

'सीएम जांच प्रभावित कर रहे हैं : गोगोई

गोगोई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री खुद जांच को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से एसआईटी जांच आगे बढ़ा रही है, उससे लगता है कि मुख्यमंत्री ने अपने करीबी लोगों के साथ संबंध छिपाने के लिए यह टीम बनाई है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि जांच की दिशा को लेकर कानूनी विशेषज्ञ और आम लोग भी सवाल उठा रहे हैं।

अब तक सात लोग हो चुके हैं गिरफ्तार : इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें कार्यक्रम आयोजक श्यामकानू महंता, गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, उनके चचेरे भाई और पुलिस अधिकारी संदीपन, बैंड के दो सदस्य, और दो निजी सुरक्षाकर्मी. महंता पूर्व डीजीपी भास्कर ज्योति महंता के छोटे भाई हैं। उनके अन्य भाई मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार रह चुके हैं।

घर जाने की जद्दोजहद...

मुंबई। दीपावली और छठ की पूजा के लिए उत्तर भारत के लोग बड़ी संख्या में अपने घर जाने के लिए बेताब हैं। देश के प्राय सभी रेलवे स्टेशनों पर भीड़ के ऐसे ही दृश्य देखे जा रहे हैं।

तिरुपति चिड़ियाघर में सफेद बाघ 'समीर' की मौत

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर प्राणि उद्यान में रविवार को 19 वर्षीय एक सफेद बाघ की उम्र संबंधी बीमारियों के कारण मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 'समीर' नाम के इस बाघ को 2011 में हैदराबाद के नेहरू प्राणि उद्यान से तिरुपति चिड़ियाघर स्थानांतरित किया गया था। उस वक्त 'समीर' की उम्र पांच वर्ष थी। संस्थान ने बताया कि 'समीर' उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण गहन देखभाल में था। पिछले तीन महीनों में उसका स्वास्थ्य धीरे-धीरे बिगड़ता गया। उसका चलना-फिरना भी लगभग बंद हो गया था।

मुंबई में आर्य युग वॉल्यूम के विमोचन समारोह को किया संबोधित

भागवत बोले- मैकाले नॉलेज सिस्टम' से आजाद होना होगा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारतीयों को अपनी ज्ञान परंपरा को समझने और उसकी अहमियत जानने के लिए 'मैकाले नॉलेज सिस्टम' के विदेशी प्रभाव से पूरी तरह आजाद होना होगा। मुंबई में 'आर्य युग' वॉल्यूम के विमोचन के दौरान संघ प्रमुख ने कहा, 'हमें भारतीय सिस्टम में पढ़ाने की जगह मैकाले नॉलेज सिस्टम में पढ़ाया गया। इसलिए हमारी जड़ें, हमारा आधार और ज्ञान की खोज के लिए हमारी बुद्धि उसी हिसाब से बन गई। कहा जाता है कि हम गुलाम थे। हम भारतीय हैं, लेकिन हमारा दिमाग और सोच विदेशी हो गए। हमें इस विदेशी प्रभाव से पूरी तरह आजाद होना होगा। तभी हम अपनी ज्ञान परंपरा तक पहुंच पाएंगे और उसकी अहमियत समझ पाएंगे।'

भारत में ये कब और कैसे आया?

1800 के दशक में भारत पर ईस्ट इंडिया कंपनी का राज था। अंग्रेज सोचते थे कि भारतीयों पर पूरा कंट्रोल के लिए अंग्रेजी और कल्चर सिखाना चाहिए। थॉमस बबिंगटन मैकाले नाम के एक ब्रिटिश अफसर ने 2 फरवरी 1835 को एक रिपोर्ट तैयार किया जिसमें कहा गया कि भारत का पुराना ज्ञान (संस्कृत, फारसी, गुरुकुल सिस्टम) न के बराबर हैं। वहीं, एक अंग्रेजी लाइब्रेरी की एक शेल्फ में जितना ज्ञान है, उतना पूरे भारत के किताबों में भी नहीं मिलेगा। इसी सोच के तहत 1835 में अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम पास किया गया और भारतीय स्कूल-कॉलेजों में अंग्रेजी को मेन लैंग्वेज बना दिया गया।

मैकाले नॉलेज सिस्टम क्या है?

मैकाले नॉलेज सिस्टम ब्रिटिश राज के समय भारत में लाई गई। ये एक ऐसी पढ़ाई-लिखाई का तरीका था, जो अंग्रेजों ने 1835 में शुरू किया ताकि भारतीयों को उनकी अपनी संस्कृति और ज्ञान से दूर करके अंग्रेजों जैसा सोचने वाला बना सकें।

भागवत के बयान की पांच बड़ी बातें

- भारत को विदेशी प्रभाव से मुक्त होकर अपनी प्राचीन ज्ञान परंपरा को अपनाना चाहिए।
- दुनिया विनाश की ओर बढ़ रही है, लेकिन भारत के पास नया रास्ता है, जिसके लिए हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा।
- हर चार साल में विश्व भर के हिंदू भारत में एकत्र होते हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपनी पहचान बनाए रखते हैं।
- विदेशियों ने हमारी सभ्यता को समझे बिना हमारे ज्ञान को अपनाया और हमें पीछे छोड़ा; आज भी कुछ लोग प्रगति में बाधा डाल रहे हैं।
- हम सेंस ऑर्गन से जो दुनिया देखते हैं, वो हमारे दिमाग से मिलने वाले ऑर्डर पर आधारित होती है। सच्चाई को समझने के लिए शारीरिक दिमाग से आगे जाना होगा।

कतर और तुर्की ने की मध्यस्थता

पाकिस्तान और अफगानिस्तान युद्धविराम पर हुए सहमत

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

बीते करीब 2 हफ्ते से संघर्ष में उलझे पाकिस्तान और अफगानिस्तान तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। कतर के दोहा में दोनों देशों के बीच हुई वार्ता में इस पर सहमति बनी है। इस वार्ता में कतर और तुर्की ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष तत्काल युद्धविराम और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति एवं स्थिरता को मजबूत करने के लिए तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं।

आने वाले दिनों में और बैठकें करेंगे दोनों देश : कतर के विदेश

मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने युद्ध विराम की स्थिरता सुनिश्चित करने और विश्वसनीय और टिकाऊ तरीके से इसके कार्यान्वयन को सत्यापित करने के लिए आगामी दिनों में बैठकें आयोजित करने पर भी सहमति व्यक्त की, जिससे दोनों देशों में सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करने में योगदान मिलेगा।

इस साल 20 अक्टूबर को संभवतः अपनी आखिरी काली पूजा मनाएगा

कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज इस साल अपनी आखिरी दिवाली मनाएगा

एजेंसी ⏭ कोलकाता

देश के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज में से एक, कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) इस साल 20 अक्टूबर को संभवतः अपनी आखिरी 'काली पूजा' और 'दिवाली' मनाएगा। एक दशक चली लंबी कानूनी लड़ाई के बाद एक्सचेंज की स्वैच्छिक रूप से परिचालन बंद करने की प्रक्रिया लगभग पूरी होने वाली है।

■ एक दशक तक लंबी चली कानूनी लड़ाई

नियामकीय नियमों का पालन न करने के कारण अप्रैल, 2013 में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सीएसई में कारोबार निलंबित कर दिया था। परिचालन को फिर शुरू करने और अदालतों में सेबी के निर्देशों का विरोध करने के वर्षों के प्रयासों के बाद, एक्सचेंज ने अब कारोबार से हटने और अपने स्टॉक एक्सचेंज लाइसेंस को स्वैच्छिक रूप से वापस देने का फैसला किया है।

एक्सचेंज की स्वैच्छिक रूप से बंद करने की प्रक्रिया पूरी

आमसभा में कारोबार से हटने अनुमोदन प्राप्त किया

शेयर बाजार कारोबार से हटने के संबंध में 25 अप्रैल, 2025 की असाधारण आमसभा के माध्यम से शेयरधारकों से भी अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। इसके बाद सीएसई ने सेबी को कारोबार से हटने का आवेदन किया है। नियामक ने स्टॉक एक्सचेंज के मूल्यांकन के लिए एक मूल्यांकक एजेंसी नियुक्त की है, जिसका काम अभी चल रहा है।''

सीएसई होल्डिंग कंपनी के रूप में काम करेगा

सीएसई के चेयरमैन दीपांकर बोस ने कहा कि सेबी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज कारोबार के लिए बाहर निकलने की मंजूरी मिलने के बाद सीएसई एक होल्डिंग कंपनी के रूप में कार्य करेगा, जबकि इसकी 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, सीएसई कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीसीएमपीएल), एनएसई और बीएसई के सदस्य के रूप में ब्रोकिंग जारी रखेगी।

पारेख घोटाले के बाद भुगतान संकट पैदा हो गया था

नियामक ने ईएम बाईपास पर सीएसई की तीन एकड़ की संपत्ति को सृजन समूह को 253 करोड़ रुपये में बेचने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। 1908 में स्थापित, 117 साल पुराना यह संस्थान कभी व्यापारिक मात्रा के मामले में बीएसई को टक्कर देता था और कोलकाता की वित्तीय विरासत का प्रतीक था। 120 करोड़ रुपये के केतन पारेख से जुड़े घोटाले के बाद कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज में भुगतान संकट पैदा हो गया, क्योंकि कई ब्रोकर निपटान दायित्वों को पूरा करने में चूक गए।

निवेशकों के विश्वास को तोड़ा

इस घटना ने निवेशकों और नियामकों के विश्वास को तोड़ दिया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापारिक गतिविधियों में लंबे समय तक गिरावट आई। सीएसई एक स्वतंत्र शेयर बाजार के रूप में अपने अंतिम उत्सव की तैयारी कर रहा है, और अब कुछ सदस्यों के बीच एक पुरानी यादों का माहौल है।

प्रस्ताव सेबी को पेश किया गया

दिसंबर, 2024 में, सीएसई के निदेशक मंडल ने कलकत्ता उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में अपने लंबित मामलों को वापस लेने और स्वैच्छिक निकासी के लिए आवेदन करने का संकल्प लिया। यह प्रस्ताव औपचारिक रूप से 18 फरवरी को सेबी को पेश किया गया था और इस वर्ष 25 अप्रैल को शेयरधारकों की मंजूरी प्राप्त हुई।

कर्मचारियों के लिए वीआरएस शुरू की

सेबी ने राजवंशी एंड एसोसिएट को मूल्यांकन का कार्य सौंपा है - जो अनुमोदन से पहले का अंतिम चरण है। तैयारी के तौर पर, एक्सचेंज ने सभी कर्मचारियों के लिए एक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) शुरू की है, जिसमें 20.95 करोड़ रुपये का एकमुश्त भुगतान शामिल है, जिससे लगभग 10 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत होगी।

बिजनेस साइट

एमएम फन सिटी फिर से तैयार, 'जंगल पूल मल्टीस्टेशन' बना नया आकर्षण

रायपुर। दिवाली की चहल-पहल के बाद अगर आप बोर हो रहे हैं और कुछ मजेदार करने का सोच रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहतरीन खबर है। गोढ़ी, बकतरा स्थित एमएम फन सिटी वाटर पार्क 22 अक्टूबर से एक बार फिर आपके मनोरंजन के लिए पूरी तरह तैयार है। एमएम फन सिटी ने इस बार अपने नए आकर्षण 'जंगल पूल मल्टीस्टेशन' से सभी आयु वर्ग के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। वाटर स्लाइड्स, वेव पूल और अन्य मनोरंजक एक्टीविटीज से लैस यह नया मल्टीस्टेशन लोगों के लिए मस्ती और रोमांच का नया अनुभव बन गया है। जंगल पूल मल्टीस्टेशन को विशेष रूप से बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यहां की विभिन्न स्लाइड्स और वॉटर एक्टिविटीज पूरे परिवार के लिए मजेदार और सुरक्षित हैं। एमएम फन सिटी के संचालक राजेश थौरानी ने बताया कि इस बार हमने कई नई सुविधाएं जोड़ी हैं। वाटर राइड्स का क्लस्टर खास डिजाइन में तैयार किया गया है जिससे हर विजिटर को अलग अनुभव मिलता है। यहां वॉटर एक्टिविटीज के अलावा आरामदायक एयर कंडीशन डीलक्स रूम, लगभग 200 लोगों के लिए बैंक्वेट हॉल और खूबसूरत लॉन भी मौजूद हैं। शादी, बर्थडे पार्टी, किटी पार्टी और कॉरपोरेट इवेंट्स के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

बलदेव फर्नीचर में त्योहारों पर विशेष छूट ग्राहकों का मिल रहा जोरदार प्रतिसाद

रायपुर। गुरुनानक चौक स्थित बलदेव फर्नीचर पर इस त्योहारों के शुभ अवसर पर ग्राहकों को विशेष छूट का लाभ मिल रहा है। संस्था के संचालक लखविंदर सिंह ने बताया कि इस फेस्टिव ऑफर को लेकर ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बलदेव फर्नीचर में एक ही छत के नीचे नीलकमल, इटालिका, ईजी, पूजा, अरोमा जैसी नामचीन ब्रांड्स के साथ-साथ लग्जरी फर्नीचर की भी व्यापक रेंज उपलब्ध है। यहां बेडरूम सेट, सोफा सेट, डाइनिंग टेबल, ऑफिस फर्नीचर, रिक्लाइनर चेयर, रिवॉल्विंग चेयर, ऑफिसर्स टेबल, वेटिंग चेयर, मोल्डेड फर्नीचर, नीलकमल गद्दे, गोदरेज के फर्नीचर व सैफ, आउटडोर फर्नीचर सहित अन्य कई प्रकार के उत्पाद ग्राहकों को आकर्षक दामों पर मिल रहे हैं। लखविंदर सिंह ने बताया कि बल्देव फर्नीचर पिछले 45 वर्षों से अपने उत्कृष्ट सेवा और गुणवत्ता के जरिए ग्राहकों का विश्वास जीतता आया है। उन्होंने यह भी कहा कि सेल्स उपरांत सर्विस उनकी सबसे बड़ी विशेषता है, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। इस समय ग्राहकों के लिए 30% से 50% तक की विशेष छूट उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे लोग बड़ी संख्या में खरीदारी करने पहुंच रहे हैं।

दिसंबर तक चांदी की कीमत 55 डॉलर प्रति औंस तक रहेगी स्थिर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लि. (एचजेडएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने कहा है कि इस वर्ष दिसंबर तक चांदी की कीमत लगभग 55 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के स्तर पर स्थिर रह सकती है। मिश्रा ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अस्थिरता और अन्य निवेश विकल्पों में भरोसे की कमी के कारण निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। यह कंपनी विश्व स्तर पर चांदी की शीर्ष पांच प्राथमिक उत्पादकों में से एक है तथा देश में चांदी की सबसे बड़ी

उत्पादक है। मिश्रा ने बताया,"...मैंने जनवरी तक चांदी की कीमत 46 डॉलर प्रति औंस रहने का अनुमान लगाया था, लेकिन वह स्तर पार हो चुका है और अब अनुमान है कि दिसंबर तक इसकी कीमत 50 से 55 डॉलर प्रति औंस के बीच रह सकती है और इस स्तर पर यह काफी समय तक स्थिर बनी रह सकती है।''

त्योहारों के बाद भौतिक मांग कम होने से सोने में गिरावट संभव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अगले सप्ताह सोने की कीमतों में कुछ हद तक स्वस्थ गिरावट देखने को मिल सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हालिया रिकॉर्ड तेजी अब भी जारी है, लेकिन त्योहारों के बाद भौतिक मांग कम हो गई है। विश्लेषकों ने यह राय जाहिर की। वैश्विक और घरेलू बाजारों में नई ऊंचाइयों को छूने के बाद सर्राफा एक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है, क्योंकि निवेशकों की नजर अमेरिकी वित्त पोषण विधेयक, प्रमुख वैश्विक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर है।

■ विश्लेषकों का मानना कीमतों में कुछ गिरावट देखने मिलेगी

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ''सोने की कीमतों में कुछ स्वस्थ गिरावट देखने को मिल सकता है, क्योंकि मौजूदा बुनियादी बातों का पहले ही मूल्यांकन हो चुका है और सप्ताह के मध्य के बाद भौतिक मांग कम हो जाएगी।'' उन्होंने आगे कहा कि कारोबारी प्रमुख वैश्विक संकेतकों पर नजर रखेंगे, जिनमें चीन के आंकड़े, ब्रिटेन की मुद्रास्फीति, विभिन्न क्षेत्रों के पीएमआई आंकड़े, अमेरिकी उपभोक्ता विश्वास के आंकड़े और फेडरल रिजर्व की टिप्पणी शामिल हैं। मेर ने आगे कहा कि भारत में त्योहारी मांग और ईटीएफ की मजबूत खरीदारी के कारण पिछले सप्ताह सोना सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ।

तिमाही नतीजों से तय होगी इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल

वैश्विक रुझान, विदेशी निवेशकों के रुख भी निभाएगा बड़ी भूमिका

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार में निवेशक छुट्टियों वाले इस सप्ताह के दौरान वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों के रुख और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर रखेंगे। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। शेयर बाजार बीएसई और एनएसई मंगलवार, 21 अक्टूबर को एक विशेष मुहूर्त कारोबार सत्र का आयोजन करेंगे। यह प्रतीकात्मक कारोबार सत्र दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक चलेगा। इस दिन सामान्य कारोबार नहीं होगा। इसके बाद दिवाली बलिप्रतिपदा के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''छोटा कारोबारी सप्ताह घटनाओं से भरा रहेगा और निवेशकों के लिए कई प्रमुख कारक सामने आएंगे। बाजार सहभागी सबसे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे।

■ शेयर बाजार में यह सप्ताह छुट्टियों वाला होगा

अमेरिकी शुल्क व कच्चे तेल की कीमतों पर होगी नजर

मिश्रा ने कहा कि चीन पर प्रस्तावित अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रम, साथ ही कच्चे तेल की कीमतों और मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर होगी। पिछले तीन महीनों से शुद्ध आधार पर बिकवाली करने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अक्टूबर में अब तक 6,480 करोड़ रुपये के निवेश के साथ लिवाल बन गए हैं।

17 साल बाद भारत की झोली में आया मेडल, तन्वी का रजत पदक के साथ सफर समाप्त

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने का सपना रविवार को महिला एकल फाइनल में थाईलैंड की अन्यापत फिचितप्रीचासक से सीधे गेम में हारकर टूट गया। यह 16 वर्षीय खिलाड़ी साइना नेहवाल और अपर्णा पोपट के नक्शेकदम पर चलते हुए टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली केवल तीसरी भारतीय महिला शटलर बनी।

फाइनल में हालांकि वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई और उन्हें दूसरी वरीयता प्राप्त थाई खिलाड़ी से 7-15, 12-15 से हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार तन्वी ने रजत पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया, जो 17 वर्षों में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। साइना (2008 में स्वर्ण और 2006 में रजत) और अपर्णा (1996 में रजत) इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली अन्य भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी से पहले साइना और अपर्णा जीत चुकी हैं मेडल

थाईलैंड की खिलाड़ी अन्यापत ने तन्वी को हराया

नेट पर आने के लिए किया मजबूर

थाई खिलाड़ी ने हालांकि तन्वी को बार-बार नेट पर आने के लिए मजबूर किया, जिससे उनकी गलतियां बढ़ गई। थाईलैंड की खिलाड़ी ने जल्द ही स्कोर 8-8 से बराबर कर दिया। थाईलैंड की खिलाड़ी इसके बाद अधिक आत्मविश्वास के साथ खेली। उन्होंने जल्द ही बढ़त हासिल की और इसे आखिर तक बरकरार रखकर मैच अपने नाम किया।

फाइनल में मुकाबला रहा कड़ा

फाइनल में मुकाबला शुरू से ही कड़ा रहा क्योंकि दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे की गलतियों के कारण 2-2 से 4-4 तक बराबरी पर आ गए। थाई खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद भारतीय खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर 10-5 की बढ़त बना ली और फिर इसके बाद आसानी से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में तन्वी ने कुछ सटीक डीप रिटर्न के साथ 6-1 की बढ़त बना ली। लेकिन फिर से उन्होंने गलतियां की, जिसका फायदा उठाकर थाई खिलाड़ी ने अंतर को 5-7 तक कम कर दिया।फिचितप्रीचासक का अगला शॉट चूक गया, जिससे तन्वी को मध्यांतर तक 8-5 की मामूली बढ़त मिल गई।

खबर संक्षेप

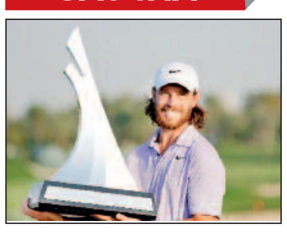

इंडिया चैंपियनशिप के विजेता बने फ्लीटवुड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टॉमी फ्लीटवुड ने धैर्य और एकाग्रता की मिसाल पेश करते हुए सात अंडर 65 के शानदार कार्ड के साथ जापान के कीता नाकाजिमा (तीन अंडर 72) को दो स्ट्रोक से पछाड़कर 'डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' गोल्फ का खिताब जीत लिया। फ्लीटवुड तीसरे दौर के बाद दो शॉट से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आखिरी दौर के लिए बचा के रखा। था। उन्होंने दबाव में संयम दिखाते हुए कुल 266 के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। यह डीपी वर्ल्ड टूर पर फ्लीटवुड का आठवां खिताब है। यह भारत में उनकी पहली जीत है।

रिजवान से छीन सकती है वनडे की कप्तानी

कराची। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के वनडे कप्तान पद से हटाया जा सकता है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय चयन समिति और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सलाहकार बोर्ड की लाहौर में संयुक्त बैठक होगी, जिसमें वनडे कप्तान पर फैसला किया जा सकता है। पीसीबी ने एक बयान में पुष्टि की कि पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीमों के मुख्य कोच माइक हेसन ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को पत्र लिखकर एकदिवसीय टीम के मामलों और कप्तानी पर चर्चा के लिए चयनकर्ताओं और सलाहकारों की बैठक बुलाने का अनुरोध किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से जीता 26-26 ओवर का पहला वनडे

भारत का वनडे में लगातार 8 मैच जीतने का सिलसिला टूटा, विराट-रोहित ने किया मायूस

भारत ने संघर्ष करते हुए बनाए 9 विकेट पर 136 रन

एजेंसी ⏭ पर्थ

विराट कोहली और रोहित शर्मा की लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कुल मिलाकर सिर्फ 22 गेंदों तक चली और उनके फीके प्रदर्शन का असर मैच के परिणाम पर भी दिखा, जहां ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत पर 29 गेंद शेष रहते सात विकेट की आसान जीत दर्ज की। भारतीय पारी के दौरान लगातार बारिश की वजह से मुकाबला 26-26 ओवर का कर दिया गया था। भारत ने संघर्ष करते हुए 9 विकेट पर 136 रन बनाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुइस पद्धति से जीत के लिए 131 रन का लक्ष्य मिला। टीम ने 21.1 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान मार्श 46 रन बनाकर रहे नाबाद

लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेविस हेड (आठ) ने शुरुआत में ही अर्शदीप सिंह की गेंद पर डीप थर्ड मैन पर हर्षित राणा को कैच थमा दिया। इसके बाद क्रीज पर आए मैथ्यू शॉर्ट (आठ) भी बिना कोई खास योगदान दिए पवेलियन लौट गए। कप्तान मिशेल मार्श (नाबाद 46 रन, 52 गेंद) ने जोश फिलिप (37 रन, 29 गेंद) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रनों की आक्रामक अहम साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बनाए रखा। अर्शदीप, मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा की भारतीय तेज गेंदबाजों की तिकड़ी ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों जैसा नियंत्रण नहीं दिखा पाई। इन गेंदबाजों ने मेजबान टीम को आसानी से रन बनाने के मौके दिए।

भारतीय टीम लय हासिल करने में नाकाम

भारतीय टीम अपनी पारी की शुरुआत से ही किसी तरह की लय हासिल करने में नाकाम रही। बारिश के कारण कई बार खेल रुकने से स्थिति और मुश्किल हो गयी। लोकेश राहुल (30 गेंद में 38 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज सहज नहीं दिखा। ऑस्ट्रेलिया ने बादलों की आंख-मिचौली के बीच तेज गेंदबाजों की मददगार ऑप्टस स्टेडियम में पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो सही साबित हुआ।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के साथ ही भारत का वनडे में लगातार आठ मैच जीतने का सिलसिला टूट गया। इस साल यह पहली बार है जब भारत को वनडे में हार का सामना करना पड़ा है। गिल को वनडे कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार मिली।

550 मैच खेलने वाले 5वें भारतीय बने रोहित

रोहित अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 500 मैच खेलने वाले विश्व के कुल 11वें खिलाड़ी बने हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो वह इस आंकड़े को छूने वाले 5वें खिलाड़ी बने हैं। भारतीय खिलाड़ियों में रोहित केवल सचिन तेंदुलकर (664), कोहली (551), महेंद्र सिंह धोनी (535) और राहुल द्रविड़ (504) से पीछे हैं। बता दें कि रोहित ने 2007 में अपने करियर की शुरुआत की थी।

स्कोर बोर्ड

भारत स्कोर	रन	गेंद	4	6
रोहित का रेनशॉ बो हेजलवुड	08	14	0	1
गिल का फिलिप्स बो एलिस	10	18	2	0
कोहली का कोनोली बो स्टार्क	00	8	0	0
अय्यर का फिलिप्स बो हेजलवुड	11	24	1	0
पटेल का रेनशॉ बओ कुहनेमैन	31	38	3	0
राहुल का रेनशॉ बो ओवेन	38	31	2	2
सुंदर बो कुहनेमैन	10	10	1	0
रेड्डी नाबाद	19	11	0	2
राणा का फिलिप्स बो ओवेन	01	2	0	0
अर्शदीप सिंह रन आउट	00	0	0	0
सिराज नाबाद	00	0	0	0

अतिरिक्त 08

कुल योग: 26 ओवर में 9विकेट पर 136 रन

गेंदबाजी: स्टार्क 6-1-22-1, हेजलवुड 7-2-20-2, एलिस 5-1-29-1, ओवेन 3-0-20-2, कुहनेमैन 4-0-26-2, शॉर्ट 1-0-17-0.

ऑस्ट्रेलिया स्कोर	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श नाबाद	46	52	2	3
हेड का राणा बो अर्शदीप	08	5	2	0
शॉर्ट का रोहित बो अक्षर	08	17	1	0
फिलिप का अर्शदीप बो वाशिंगटन	37	29	3	2
मैट रेनशॉ नाबाद	21	24	1	1

अतिरिक्त: 11

कुल योग: 21.1 ओवर में तीन विकेट पर 131 रन

गेंदबाजी: सिराज 4-1-21-0, अर्शदीप 5-0-31-1, राणा 4-0-27-0, अक्षर 4-0-19-1, रेड्डी 2.1-0-16-0, वाशिंगटन 2-0-14-1.

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार शून्य पर आउट हुए कोहली

नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर उतरे कोहली अपना खाता खोलने के लिए भी संघर्ष करते हुए नजर आए। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की बाहर की गेंद पर ड्राइव लगाने के प्रयास में पॉइंट में कैच दे बैठे। युवा कूपर कोनोली ने बाएं छोर पर डाइव लगाते हुए कोहली का बेहतरीन कैच पकड़ा। वनडे में कोहली ऑस्ट्रेलिया में 1,327 रन बनाने के बाद पहली बार शून्य पर आउट हुए हैं।

मिचेल स्टार्क ने फेंकी 171.5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद!

भारत के खिलाफ मैच में पहला ओवर मिचेल स्टार्क ने फेंका और ओवर की पहली गेंद रोहित शर्मा ने खेली, जिस पर उन्होंने एक रन बनाया। लेकिन इस पहली गेंद ने स्टार्क को सुर्खियों में ला दिया, क्योंकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई लोगों ने दावा किया कि स्टार्क ने पहली गेंद 171.5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी है। लेकिन ये दावा गलत है तकनीकी खराबी की वजह से ऐसा दिखाया गया था। दरअसल स्टार्क ने पहली गेंद 140.8**kph** की रफ्तार से फेंकी थी, जिसकी पुष्टि क्रिकबज ने भी की है।

जोरदार तालियों से हुआ कोहली का स्वागत : कोहली का स्वागत स्टेडियम में और भी जोरदार तालियों से हुआ, लेकिन वह एक बार फिर अपनी पुरानी कमजोरी का शिकार बने। स्टार्क की बाहर निकलती गेंद पर ड्राइव लगाने की कोशिश में गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर बैकवर्ड प्वाइंट की दिशा में गई और कूपर कोनोली ने शानदार कैच पकड़ उनकी आठ गेंद की पारी को खत्म किया। कोहली पहली बार ऑस्ट्रेलिया में खाता खोले बगैर पवेलियन लौटे।

अक्षर और राहुल ने की 39 रन की साझेदारी : अक्षर पटेल (31) और राहुल ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी करने की कोशिश की लेकिन मैथ्यू कुहनेमैन ने अक्षर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया।

रोहित की पारी 14 गेंद तक ही चली

रोहित शर्मा (आठ रन) नए कप्तान शुभमन गिल के साथ क्रीज पर आए तो स्टेडियम में मौजूद दर्शकों जोरदार स्वागत किया, लेकिन उनकी पारी सिर्फ 14 गेंद ही चली। रोहित ने मिशेल स्टार्क के खिलाफ एक शानदार स्ट्रेट ड्राइव खेल अपने सुनहरे दिनों की झलक दिखाई लेकिन उनकी पारी में यह आत्मविश्वास से जड़ा गया इकलौता शॉट साबित हुआ। वह जोश हेजलवुड की अतिरिक्त उछाल वाली गेंद से सामंजस्य बिठाने में नाकाम रहे और गेंद उनके बल्ले को छूती हुई दूसरी स्लिप में रेनशॉ के हाथों में चली गई।

महिला क्रिकेट विश्व कप

रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हारी टीम इंडिया

एजेंसी ⏭ इंदौर

■ स्मृति, हरमनप्रीत और दीप्ति का अर्धशतक बेकार

महिला क्रिकेट विश्व कप का बेहद रोमांचक मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला गया। रोमांचक रहे इस मैच में भारतीय टीम को 4 रन से हार का सामना करना पड़ा। 289 के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 6 विकेट पर 284 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर में भारतीय टीम को जीत के लिए 14 रन बनाने थे। सिर्फ 9 रन बने और भारत को 4 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। हार के बाद भारत के लिए टॉप 4 में जगह बनाना मुश्किल हो गया है। 289 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को प्रतिका रावल के रूप में 13 के स्कोर पर पहला झटका लगा और फिर 46 के स्कोर पर हरलिन देओल के रूप में दूसरा झटका लगा। लड़खड़ाती पारी को स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी हुई। स्मृति मंधाना ने 94 गेंद पर 88 रन बनाए और हरमनप्रीत कौर ने 70 गेंद पर 10 चौकों की मदद से 70 रन की पारी खेली। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 288 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए हिदर नाइट ने 91 गेंद पर 15 चौकों और 1 छक्के की मदद से 109 रन की पारी खेली। नाइट के अलावा एमी जोंस ने 68 गेंद पर 56 रन और नेट सेवियर ब्रंट ने 49 गेंद पर 38 रन की पारी खेली।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

दीप्ति शर्मा ने रविवार को महिला वनडे में 1500 रन बनाने और 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बनकर इतिहास रच दिया। भारत के लिए 50 ओवर के मैचों में 2607 रन बना चुकीं दीप्ति को महिला वनडे में 150 शिकार पूरे करने के लिए एक विकेट की दरकार थी और उन्होंने इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट का विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल कर ली। दीप्ति वनडे में 1500 रन बनाने और 150 विकेट लेने वाली दुनिया की 5वीं महिला क्रिकेटर हैं। दीप्ति महिला वनडे में कम से कम 150 विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय और दुनिया की 10वीं गेंदबाज हैं। महिला वनडे में सबसे ज़्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भारत की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम है।

लेयला ने जीता अपने कॅरियर का पांचवां खिताब

एजेंसी ⏭ ओसाका

लेयला फर्नांडीज ने डब्ल्यूटीए जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में 18 वर्षीय क्वालीफायर टेरेजा वैलेंटोवा को 6-0, 5-7, 6-3 से हराकर अपने करियर का पांचवां खिताब जीता। अपने करियर के आठवें फाइनल में खेलते हुए फर्नांडीज ने पहला सेट 29 मिनट में जीत लिया। वैलेंटोवा ने दूसरे सेट के 12वें गेम में फर्नांडीज की सर्विस तोड़कर मैच को बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक सेट में 27वीं रैंकिंग की खिलाड़ी फर्नांडीज ने चौथे गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक प्वाइंट हासिल किया और चेक गणराज्य की खिलाड़ी की चुनौती से पार पाकर जुलाई में डब्ल्यूटीए 500 डीसी ओपन जीतने के बाद सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

एशियाई नौकायन चैंपियनशिप में भारत ने जीते कुल 10 पदक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ओलंपियन बलराज पंवार की अगुवाई में भारत ने वियतनाम के हाई फोंग में 2025 एशियाई नौकायन चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और पांच रजत सहित 10 पदक जीते। नौकायन में यह हाल के वर्षों में भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। पेरिस ओलंपियन पंवार ने पुरुषों की सिंगल स्कल (एम1एक्स) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारत के लिए अन्य स्वर्ण पदक लक्ष्य और अजय त्यागी की लाइटवेट पुरुषों की 'डबल स्कल (एलएम2एक्स)' जोड़ी ने जीता। कुलविंदर सिंह, नवदीप सिंह, सतनाम सिंह और जाकर खान की चौकड़ी ने पुरुषों की 'क्वाड्रपल स्कल (एम4एक्स)' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारतीय अभियान का एक अन्य आकर्षण गुरबानी कौर और दिलजोत कौर की महिला जोड़ी का पदक जीतना रहा। इस जोड़ी ने एलडब्ल्यू2 स्पर्धा में दूसरे स्थान के साथ भारतीय महिलाओं के 15 साल के पदक के सूखे को समाप्त किया।

एमएलएस में मेस्सी ने मारी दूसरी हैट्रिक, इंटर मियामी जीता ...

__नैशविले।__ दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेस्सी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी।

महिला वनडे विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई श्रीलंका टीम

पहली जीत की तलाश में श्रीलंका, आज बांग्लादेश से भिड़ंत

एजेंसी ⏭ नवी मुंबई

श्रीलंका की टीम महिला वनडे विश्व कप में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है और सोमवार को जब उसका सामना बांग्लादेश से होगा तो उसका लक्ष्य टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करना होगा।

बांग्लादेश की तरह श्रीलंका के खाते में भी दो अंक हैं, लेकिन दोनों ही अंक उसे बारिश के कारण रद्द हुए मैचों में मिले हैं। श्रीलंका को अभी तक पांच मैच में से तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह आठ टीमों की प्रतियोगिता में सातवें स्थान पर है। बांग्लादेश ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। उसने पाकिस्तान को हराकर अपना खाता खोला था लेकिन दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों को कड़ी चुनौती देने के बावजूद उसे हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका और बांग्लादेश दोनों की ही सेमीफाइनल में पहुंचने की राह बेहद मुश्किल हो गई है। उन्हें अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए न सिर्फ अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे बल्कि अन्य मैच के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी।

बांग्लादेश का बेहतर प्रदर्शन, पाकिस्तान पर दर्ज की थी जीत

श्रीलंका नहीं उठा पाया घरेलू मैदान का फायदा

लगातार बारिश के कारण चमारी अटापट्टू की टीम के लिए घरेलू मैदान का फायदा उठाने की कोई संभावना नहीं रही। हालांकि यहां बारिश का कोई खतरा नहीं है, लेकिन दिन-रात के मैच के दौरान मौसम गर्म और आर्द्र रहेगा। यह डीवाई पाटिल स्टेडियम में होने वाला पहला मैच होगा, जिसमें एक सेमीफाइनल सहित इस टूर्नामेंट के चार मैचों की पुष्टि हो चुकी है। श्रीलंका अपना अंतिम मैच कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

बांग्लादेश को जीतने होंगे दो मैच

इसी तरह बांग्लादेश को श्रीलंका और भारत के खिलाफ अपने शेष दो मैच जीतने होंगे। यही नहीं उसे इंग्लैंड की भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के लिए दुआ भी करनी होगी। बांग्लादेश को लगेगा कि विभिन्न विभागों में उनके प्रदर्शन के आधार पर वे श्रीलंका से बेहतर स्थिति में हैं, लेकिन फिर भी क्षेत्ररक्षण एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निगार सुल्ताना की अगुवाई वाली टीम को महत्वपूर्ण सुधार करने होंगे।

टीमें इस प्रकार

बांग्लादेश : निगार सुल्ताना (कप्तान और विकेटकीपर), फरगना हक, शोभना मोस्तरी, रुब्या हैदर, शर्मिन अख्तर, राबेया खान, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, सुमैया अख्तर, फाहिमा खातून, फरिहा त्रिस्ना, मारुफा अख्तर, नाहिदा अख्तर, निशिता अख्तर निशि, संजीदा अख्तर मेघला।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), अनुष्का संजीवनी (उपकप्तान और विकेटकीपर), इमेशा दुलानी, विशमी गुणरत्ने, हासिनी परेरा, हर्षिता समाराविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा, कविशा दिलहारी, पिउमी वाथसाला, देवमी विहंगा, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, मल्की मदारा, उदेशिका प्रबोधनी, इनोका राणावीरा।

ॐ

गोदड़ीवाला ग्रुप

Celebrating Togetherness, Building Futures.

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

Godriwala Presents

POOJA®
MOULDED FURNITURE & HOUSE HOLD PRODUCTS

।। माँ लक्ष्मी जी की आरती ।।

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशिदिन सेवत, हर विष्णु विधाता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।
उमा रमा ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता।
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।
दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि-सिद्धि पाता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।

तुम पाताल निवासिनि, तुम ही शुभदाता।।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भव निधि की त्राता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।
जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता।
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।
तुम बिन यज्ञ न होवे, वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।

शुभगुण मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि-जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।
महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता।
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता।।
।। ॐ जय लक्ष्मी माता।।
।। मैया जय लक्ष्मी माता।।

गोदड़ीवाला प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड

MM Junior School — NURTURING CHILDREN WITH CARE
MM Funcity — FUN for ALL
Godriwala Presents MM SCHOOL — MODERN EDUCATION WITH MORALS
MM Real Estate
M.M. POLYMERS Private Limited

सीमित अवधि ऑफर

प्रतिदिन EMI ₹59$ से शुरू

डाउन पेमेंट ₹999$ से शुरू

विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹2 200~ तक

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife पाएं जीतने का मौका 100% कैशबैक 24 कैरट सोने का सिक्का और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

Additional offers on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of Splendor+ and HF Deluxe in Chhattisgarh.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरुरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेटलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3ः महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इरपिनार- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुड़कुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साईं मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, तुड़िहाटीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com

।। ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः ।।
शुभ
लाभ
Happy Diwali
Happy Diwali
माँ लक्ष्मी जी की आरती
ऊँ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निसदिन सेवत,हर विष्णु विधाता ॥
उमा, रमा, ब्रम्हाणी, तुम ही जग माता ।
सूर्य चद्रंमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥
॥ ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-संपत्ति दाता ।
जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ॥
॥ ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
तुम ही पाताल निवासनी, तुम ही शुभदाता ।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशनी, भव निधि की त्राता ॥
॥ ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
जिस घर तुम रहती हो, ताँहि में हैं सदुण आता ।
सब सभंव हो जाता, मन नहीं घबराता ॥
।। ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
तुम बिन यज्ञ ना होता, वस्त्र न कोई पाता ।
खान पान का वैभव,सब तुमसे आता ॥
ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
शुभ गुण मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥
।। ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई नर गाता ।
उँर आंनद समाता,पाप उतर जाता ॥
॥ ऊँ जय लक्ष्मी माता... ॥
आप सभी को खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
देवांगन मेडिकल स्टोर्स
भवन देवांगन
आप सभी को खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
माँ काली मेडिकल होलसेल एवं डिस्ट्रीब्यूटर
कॉम्पिटेटर विरेन्द्र (राजू वर्मा) मो.- 9753557290
प्रो. रूपकला वर्मा मो.- 9085067853
पता- बाबू बगीचा पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
आप सभी को खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
वर्षा सायकल स्टोर्स
राज देवांगन
अभय देवांगन
कर्तव्य देवांगन
पुराना बस स्टैण्ड मेन रोड पाटन
मो.- 9754892340, 8770277891
दीवाली का त्योहार हमें बुराई से लड़ने और अच्छाई के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है। इस दिव्य अवसर पर, आइए अपने जीवन को माता लक्ष्मी के आशीर्वाद से रोशन करें।
उमंग न्यूज एजेंसी, पाटन
हरिभूमि समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें-
भूषण देशलहरे, मो.- 9993203874, 9981553755
विशेष सहयोगी-
त्रिलोचन पाल
गोपीचंद देवांगन
समस्त प्रदेशवासियों को
दीपावली
एवं बाबा गुरूघासीदास जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं...
Happy Diwali
मनोज कुर्रे
पार्षद वार्ड नं.-09
आप सभी को खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
गायत्री फार्मेसी
मंडी काम्पलेक्स, शास हास्पीटल के सामने
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मो- 9753498461
शैलेष साहू
गायत्री मेडिकोज
तहसील ऑफिस के सामने, रानीतराई रोड
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मो- 9993199582
मनोज साहू
आप सभी को
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं...
श्री सांई पैथोलॉजी लैब
कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी एवं खून जॉच केन्द्र पाटन
योगेश साहू
मो. - 9993231602, 8770253202
आप सभी को
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं...
आशीष वर्मा
ओएसडी
अशोक साहू
विधायक प्रतिनिधि
जिला पं. दुर्ग
आप सभी को खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
न्यू पाण्डेय मेडिकल स्टोर्स
शास. हास्पीटल के सामने, पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
पाण्डेय मेडिकल स्टोर्स
तहसील ऑफिस के सामने, पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
हमारे यहां-अंग्रेजी आयुर्वेदिक एवं मवेशी का दवाई उपलब्ध है।
जितेन्द्र पाण्डेय
मन पाण्डेय
मो. - 9893366770
समस्त प्रदेशवासियों को
दीपावली एवं देवउठनी की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
मान. विजय बघेल
मान. हितेन्द्र वर्मा
श्री आत्मानंद
अंग्रेजी माध्यम स्कूल
श्री मिलन देवांगन
अध्यक्ष, श्री आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल
योगेश निक्की भाले
नगर पंचायत अध्यक्ष, पाटन
धनतेरस एवं दीपावली
मो. 9981086462
की आप सभी को
हार्दिक बधाई धन की देवी
माँ लक्ष्मी की कृपा
आप सदा बनी रहे..
TVS
देव टी वी एस
टी वी एस गाड़ियो के अधिकृत डीलर
पता - रानीतराई रोड (आजाद चौक) पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
TVS RAIDER
दीपावली
की आप सभी को
हार्दिक बधाई
माँ लक्ष्मी की कृपा
आप सदा बनी रहे...

दीपावली... माँ लक्ष्मी के स्वागत की शुभ बेला

खुशियों, प्रकाश और समृद्धि का पर्व

दीपों का त्योहार दीपावली सिर्फ रोशनी का नहीं, बल्कि आस्था, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक है। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और दुःख पर सुख की विजय का संदेश देता है। इस दिन हर घर में माँ लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है, ताकि आने वाला वर्ष सुख, शांति और धन-धान्य से भरा रहे।

दीपावली का अर्थ : सिर्फ दीया नहीं, दिशा भी

दीपावली का मतलब है – "दीपों की आवली" यानी रोशनी की कतार। यह सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता, परिवारिक जुड़ाव और आत्मिक प्रकाश का पर्व है।

कहते हैं कि भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में यह उत्सव मनाया गया था, पर आज भी जब कोई अच्छा कार्य पूरा होता है, हम उसी भावना से दीप जलाते हैं — सफलता, प्रेम और सत्य की जीत के प्रतीक के रूप में।

लक्ष्मी पूजन का समय और महत्व

20 अक्टूबर 2025 (सोमवार)

अमावस्या तिथि: सुबह 6:30 बजे से अगले दिन 5:45 बजे तक

लक्ष्मी पूजन मुहूर्त: शाम 6:50 बजे से रात 8:30 बजे तक (प्रदोष काल)

प्रदोष काल में की गई पूजा से माँ लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। इस समय घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर माँ लक्ष्मी का स्वागत करें और "श्री सूक्त" का पाठ करें।

क्या करें दीपावली पर – नयी सोच के साथ पुरानी परंपराएँ

घर को सजाएँ, मन को भी सँवारें

दीपावली से पहले सफाई केवल झाड़ू-पोछा नहीं, बल्कि पुराने मनमुटावों को मिटाने का अवसर भी है।

सफाई करते समय यह संकल्प लें कि जैसे धूल हट रही है, वैसे ही मन का बोझ भी हटेगा।

दीये जलाएँ, बिजली नहीं – भावनाएँ

हर दीप में एक अर्थ छिपा है – आशा का, प्रेम का, आस्था का।

मुख्य द्वार पर चार दीये रखें - एक परिवार के लिए, एक समाज के लिए, एक देश के लिए और एक आत्मशांति के लिए।

माँ लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा करें भावनाओं से

पूजा स्थल को लाल कपड़े से सजाएँ। माँ लक्ष्मी को कमल पुष्प, गुलाल, चावल और सिक्के अर्पित करें।

पहले गणेश जी का पूजन करें, फिर लक्ष्मी जी का आह्वान करें। अंत में आरती करें और अपने घर में "श्री" का उच्चारण करें – यही समृद्धि का आह्वान है।

मिठास बाँटें – रिश्तों में भी और समाज में भी

दीपावली पर सिर्फ मिठाई ही नहीं, समय और स्नेह भी बाँटें।

किसी जरूरतमंद को कपड़े, मिठाई या दीपक दान करें — यही असली "दीपदान" है।

क्या न करें दीपावली पर

क्रोध, झगड़ा या कटु वचन न बोलें। घर में अंधेरा या उदासी न रखें। अति खर्च, दिखावा या शोर से बचें – दीपावली सादगी में भी सुंदर होती है।

दीपावली की नई भावना : आंतरिक रोशनी की ओर

इस बार दीपावली को सिर्फ त्योहार न मानें, बल्कि एक आंतरिक परिवर्तन का अवसर समझें – जहाँ हम दूसरों के जीवन में भी रोशनी लाने का संकल्प लें।

"हर दीये में एक उम्मीद छिपी है, हर मुस्कान में एक दीपावली है।"

इस दीपावली, अपने जीवन की "अमावस्या" को "पूर्णिमा" में बदलने का संकल्प लें। माँ लक्ष्मी और गणेश जी का आशीर्वाद आपके घर, मन और कर्म में सदैव प्रकाश फैलाए। दीप जलाइए, दिलों को मिलाइए – यही है असली दीपावली!